A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 18 जनवरी, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-139 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

इजराइल-हमास युद्धविराम समझौते का भारत पर क्या होगा असर

दीपक मंडल

अमेरिका और मध्यस्थ क़तर ने कहा है कि इजराइल और हमास ग़ाज़ा में चल रहे युद्ध को ख़त्म करने के लिए राजी हो गए हैं। समझौते की शर्तों के मुताबिक़ हमास इजराइली बंधकों को छोड़ देगा। इसके बदले इजराइल भी फ़िलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर देगा। पिछले सवा साल से चल रहे इजराइल हमास युद्ध को देखते हुए इसे एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल हमले किए थे। इसके बाद इजराइल ने ग़ाज़ा में हमले शुरू कर दिए थे।

हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक़ इजराइली हमलों में अब तक 46 हजार 700 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से अधिकतर नागरिक हैं। विश्लेषकों को मुताबिक़ इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध की वजह से न सिर्फ मध्यपूर्व में अस्थिरता फैली है बल्कि इससे पूरी दुनिया प्रभावित हुई है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने ग़ज़ा में सीजफ़ायर और बंधकों की रिहाई के लिए हुए समझौते का स्वागत किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है, भारत को उम्मीद है कि इस समझौते से ग़ाज़ा के लोगों तक बिना रुकावट के मानवीय मदद पहुंचती रहेगी। हम लगातार सभी बंधकों की रिहाई, युद्धविराम, बातचीत और कूटनीति के जरिये इस मामले को सुलझाने की वकालत करते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के मुताबिक़ तीन चरणों में लागू होने वाले इस समझौते के तहत युद्धविराम, बंधकों की रिहाई और ग़ाज़ा के पुनर्निर्माण से जुड़े कदम उठाए जाएंगे। इजराइल और हमास के बीच समझौते से भारत को भी कई मोर्चों पर राहत मिल सकती है। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष की वजह से अस्थिरता के दौर से गुजर रहे मध्यपूर्व से भारत के गहरे आर्थिक और सामरिक हित जुड़े हैं।

ऐसे में ये जानना ज़रूरी हो जाता है कि इजराइल और हमास के बीच अब तक चले आ रहे युद्ध ने भारत के हितों को किस तरह प्रभावित किया है और अब युद्धविराम से उसे कहां-कहां राहत मिलेगी। भारत, अमेरिका और चीन के बाद कच्चे तेल का तीसरा बड़ा आयातक देश है। भारत अपनी तेल जरूरत का 85 फीसदी आयात से पूरा करता है।

यूक्रेन पर हमले के बाद भारत ने रूस से तेल का आयात काफी बढ़ा दिया था। लेकिन अभी भी इसके तेल आयात में मध्यपूर्व के देशों की बड़ी हिस्सेदारी है। रूस से तेल खरीद में तेजी के बावजूद अप्रैल से सितंबर, 2023 के बीच भारत ने मध्यपूर्व और अफ्रीकी देशों से अपनी जरूरत का 44 फ़ीसदी तेल खरीदा था। इसके एक साल पहले तक ये आंकड़ा 60 फ़ीसदी था।

साल 2024 के अप्रैल महीने में जब इजराइल ने ईरान पर हमला किया था तो कच्चे तेल के दाम में अचानक तेजी आ गई थी और ये 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। इसी तरह जब 13 जनवरी 2025 को अमेरिका के बाइडेन प्रशासन ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए तो भी तेल के दाम एक बार फिर बढ़ गए थे।

अगर मध्यपूर्व में अशांति बढ़ती है तो भारत का आयात बिल बढ़ता जाएगा। महंगा तेल भारत में उत्पादन लागत बढ़ाएगा। जाहिर है इससे महंगाई पर काबू करने की भारत की कोशिश को झटका लगेगा। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम से निश्चित तौर पर मध्यपूर्व में स्थिरता आएगी और तेल आयात के मोर्चे पर भारत को राहत मिलेगी। कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी भारत का निर्यात महंगा कर सकती है।

हमास और इजराइल के के बीच जंग के बाद हमास समर्थक हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से होकर इजराइल जाने वाले जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था। यमन के समुद्री तटों और हिंद महासागर के पश्चिम भारतीय नाविकों की सुरक्षा को ख़तरा पैदा हो गया था और भारतीय जहाजों से व्यापार में भी रुकावटों की आशंका जताई जा रही थी।

भारतीय नौसेना ने यहां समुद्री जहाजों को हमलों से बचाने के लिए कई अभियान छेड़े थे। हूती विद्रोहियों के हमलों की वजह से इस मार्ग पर शिपिंग लागतें बढ़ा दी गई थीं। जाहिर है अगर इस समुद्री मार्ग पर शांति रहती है तो शिपिंग कंपनियों को राहत मिलेगी और समुद्री व्यापार की अड़चनें ख़त्म होगी।

सरकार के अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक़ 1.34 करोड़ एनआरआई में से लगभग 90 लाख भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं जो हर साल करीब 50 से 55 लाख डॉलर की राशि भारत भेजते हैं। साल 2020-21 में यूएई, सऊदी अरब, कुवैत और क़तर की भारत के बाहर से भेजी जाने वाली आय में 29 फ़ीसदी हिस्सेदारी है।

इसके बाद अमेरिका का नंबर है, जहां रहने वाले भारतीयों की ओर से देश भेजी जाने वाली रकम में 23.4 फ़ीसदी हिस्सेदारी है। अगर हमास और इजराइल का युद्ध इन क्षेत्रों में फैलता तो भारत को अपने कामगारों को यहां से निकालने में बड़ी रकम ख़र्च करनी पड़ती। ये भारत पर अतिरिक्त बोझ होता। युद्धविराम के समझौते के बाद इजराइल भारत के साथ रुके रक्षा सौदों पर ध्यान दे सकेगा।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक़ 2012 से 2022 तक इजराइल ने भारत को 2.9 अरब डॉलर के हथियारों का निर्यात किया है। हालांकि इस बात के सूबूत नहीं है कि इजराइल और हमास के युद्ध की वजह से भारत और इजराइल के बीच रक्षा सहयोग धीमा पड़ा है। लेकिन युद्धविराम के बाद रक्षा सहयोग और रफ़्तार पकड़ेगा।

हाल के कुछ सालों में मध्यपूर्व के देशों की भारत में और भारत की मध्यपूर्व देशों में दिलचस्पी बढ़ी है। दोनों ओर से आर्थिक सहयोग बढ़ा है. भारत और मध्यपूर्व के देशों में एक दूसरे के यहां निवेश भी बढ़ा है। युद्धविराम के बाद यह सहयोग और बढ़ेगा। इसके साथ इंडिया मिडिल ईस्ट कॉरिडोर का काम भी आगे बढ़ेगा। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि युद्धविराम से इंडिया मिडिल ईस्ट कॉरिडोर अब वास्तविकता में बदल सकता है। युद्धविराम का तीसरा चरण गाज़ा में पुर्ननिर्माण है। इसमें भारत भी हिस्सेदार हो सकता है। भारतीय कंपनियों को यहां काम मिल सकता है। इजराइल में पहले ही भारत के कामगार भेजे जा रहे हैं। युद्धविराम के बाद ज़्यादा से ज़्यादा भारतीय कामगार इजराइल जा सकेंगे।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कनफ्लिक्ट रिजॉल्यूशन के फ़ैकल्टी मेंबर डॉ. प्रेमानंद मिश्रा कहते हैं, ग़ाज़ा में मानवीय सहायता बढ़ाने के काम में भी अब तेजी आएगी। भारत इसमें अहम भूमिका निभाएगा और शांति कायम करने की कोशिश में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेगा। यह भारत की सॉफ्ट पावर की मिसाल होगी।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मनु भाकर और गुकेश खेल रत्न से सम्मानित

● *हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को भी मिला खेल रत्न* ● *पैरालिंपिक्स में जेवलिन का गोल्ड जीतने वाले नवदीप समेत 34 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड*

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 का वितरण राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेताओं को सम्मानित किया। मुर्मू ने सबसे पहले भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। उनके अलावा, ओलिंपिक में डबल मेडल जीतने वालीं शूटर मनु भाकर, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पेरिस पैरालिंपिक्स में जेवलिन का गोल्ड जीतने वाले नवदीप समेत 34 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड दिया गया। इनमें 17 पैरा-एथलीट हैं, जबकि 2 लाइफ टाइम अचीवमेंट के लिए हैं। इनके अलावा 5 कोच को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिला। मनु ने पेरिस ओलिंपिक में डबल मेडल जीते थे मनु भाकर ने अगस्त-सितंबर में पेरिस ओलिंपिक गेम्स में डबल ओलिंपिक मेडल जीते थे। वे 10 मीटर एयर पिस्टल इंडिविजुअल और मिक्स्ड डबल्स में तीसरे स्थान पर रहीं। उनके दो मेडल के दम पर भारत ने पेरिस ओलिंपिक में कुल 6 मेडल जीते थे। 18 साल के भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंगापुर में 11 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

सुप्रभात

सुनो ना..
सबने मनचाहा चुना
और मैंने प्रेम चुना
इसलिए नहीं,
कि मुझे भी उससे प्रेम हुआ..
बल्कि इसलिए,
कि उसने मुझे चुना..
प्रेम हो जाना एक बात है
प्रेम कर लेना दूसरी..,
पर प्रेम में चुन लिया जाना
निराली ही बात है..
तुम..
किसी को प्रेम करते हो
तो तुम सो नहीं पाते,
तुम्हें कोई प्रेम करता है तो
तुम उसे सोने नहीं देते..,
सोचो
किसी स्त्री के द्वारा तुम्हें चुना जाना.,
तुम्हें उसका नायक बना देता है..
और तुम किसी के सर्वश्रेष्ठ
पुरुष हो जाते हो..।

– वनिता बनर्जी

दिल्ली चुनाव के लिए बीजेपी ने खोल दिया अपना खजाना !

● **घोषणा पत्र में कैश, गैस और फ्री योजनाओं के बड़े ऐलान**

● **घोषणा पत्र में महिलाओं को प्रति माह 2,500 देने का वादा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। आखिरकार भारतीय जनता पार्टी ने भी दिल्ली में मुफ्त योजनाओं को आगे बढ़ाने का ऐलान कर ही दिया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी का संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा कि हमारी सरकार बनी तो महिला समृद्धि योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लागू जनकल्याण की योजनाओं को भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना 5 लाख रुपये की राशि में 5 लाख रुपये और जोड़ा जाएगा। इसी तरह, प्रधानमंत्री वय वंदन योजना की राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाएगा। दिल्ली में बिजली-पानी और महिलाओं के

लिए बस यात्रा फ्री रहेगी। बीजेपी ने अपने घोषणा पत्र में यह वादा किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषणा पत्र के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी देते हुए कहा कि बीजेपी दिल्ली में जन कल्याण की सारी योजनाओं को बरकरार रखेगी।

तुर्की-पाकिस्तान के सैन्य संबंधों ने भारत को दिया नया दोस्त

अंकारा (एजेंसी)। पाकिस्तान के बीते कुछ वर्षों में तुर्की से संबंधों में सुधार हुआ है। इसने भारत और ग्रीस के बीच रिश्तों को बेहतर करने में भी मदद की है। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से खराब रहे हैं तो तुर्की और ग्रीस में भी तनाव पुराना है। ये तनातनी एक तरफ पाकिस्तान–तुर्की गठबंधन को मजबूत करती है तो ग्रीस–भारत गठबंधन को भी स्वभाविक रूप से बढ़ा रही है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ग्रीस के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है तो भारत को भी इसका फायदा मिल सकता है। पाकिस्तान ने तुर्की के साथ एक बड़े नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए पूर्वी भूमध्यसागर में अपना बेड़ा भेजा है। इस अभ्यास का मकसद ग्रीस के समुद्री क्षेत्र और पूर्वी एजियन के ग्रीक द्वीपों पर दबदबा बनाना है। तुर्की विमानों ने पूर्व में ग्रीस के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन भी किया है।

केन्द्रीय मंत्री शाह ने म.प्र. में लागू ई-समन प्रणाली की सराहना की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दिल्ली में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कार्यालय में मध्यप्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित प्रावधानों के क्रियान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ई-समन प्रणाली लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। इस नई व्यवस्था के लिए केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने प्रदेश की सराहना की और अन्य राज्यों को इसका अनुसरण करने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वृहद स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आगामी दो वर्षों में पुलिस बल में फॉरेंसिक साइंस के विशेषज्ञों की भर्ती और ट्रेनिंग का काम चरणबद्ध रूप से पूरा किये जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में नए कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत आधुनिक संसाधनों के प्रयोग से इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के आधार पर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जा रहा है। इसके द्वारा न्याय प्रक्रिया आसान हुई है, पुलिस का समय बच रहा है और चिकित्सकों की असुविधा कम हुई है। एक ओर जहां जेल से बंदियों को लाने-ले-जाने में पुलिस बल की असुविधा कम हो रही है, वहीं दूसरी ओर जनता को कम समय में न्याय मिल रहा है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह को बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रतिमाह और मुख्य सचिव प्रत्येक 15 दिन में नए कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और पुलिस महनिरीक्षक श्री कैलाश मकवाना सहित राज्य और केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम बोले- दो साल में सबको कर देंगे ट्रेंड; सीएस हर 15 दिन में करेंगे रिव्यू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय न्याय संहिता के नए कानून को समय बद्ध तरीके से लागू करने का काम किया जाएगा। इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में दिल्ली में हुई बैठक में एमपी के काम को सराहा गया है और अन्य राज्यों को इसका अनुसरण करने के लिए कहा गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार को सौंपे प्लान में कहा है कि एमपी में दो साल के अंदर नए कानून के आधार पर ट्रेनिंग देने और फील्ड में आने वाली अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

दिल्ली में नई कानून व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

शुक्रवार को दिल्ली में इसको लेकर हुई बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में सीएम यादव ने कहा कि, नए कानून प्रबंधन से कम समय में जल्दी न्याय देने के लिए इसका लाभ मिलेगा। एमपी इसे लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में है। जिसने सबसे पहले इसका उपयोग किया है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सराहा है और बाकी राज्यों में इसे लागू करने को कहा है। सीएम यादव ने कहा कि बैठक में समय बद्ध कार्यक्रम भी हमने बताया है। जिसके आधार पर एमपी में सारी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।

नई व्यवस्था आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देती है

सीएम यादव ने कहा कि, नई व्यवस्था आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देती है। अभी जेल से अधिकांश बंदियों को लाने ले जाने के लिए पुलिस बल की जरूरत पड़ती थी। इस व्यवस्था से इससे भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि दो साल का समयबद्ध कार्यक्रम एमपी ने दिया है कि कैसे इसे पूरी तरह से लागू करने का काम किया जाएगा।

मौसम का सितम जारी, अभी और बरसेंगे बदरा

ठंड करेगी बेहाल, सक्रिय हो रहा नया पश्चिमी विक्षोभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड का सितम लगातार जारी है। शुक्रवार सुबह भी दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई शहरों में कोहरा छाया हुआ है। लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नई

दिल्ली में सुबह के समय ज्यादातर इलाकों में धुंध भी देखी गई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को आंशिक रूप से यहां बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली में गुरुवार को बारिश के बाद आसमान साफ रहा और न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली के सफदरजंग स्थित प्राथमिक मौसम केंद्र ने 3.7 मिमी वर्षा दर्ज की। पालम में 8.6 मिमी, पूसा में 7.5 मिमी और मयूर विहार में 4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। शहर में न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक था। अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के लिए सामान्य है। राजस्थान के कई इलाकों में बूंदाबांदी और बारिश होने के बाद सर्दी और तेज हो गई है। राज्य में नागौर में सबसे कम, 3.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। आज सुबह राज्य में कहीं-कहीं पर घने से अति घना कोहरा छाया रहा। तापमान में और गिरावट के चलते पूर्वी राजस्थान में कई जगह शीत और अति शीत दिन रहा। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आगामी 4-5 दिन मौसम शुष्क रहेगा। कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 2-3 दिन घना कोहरा छाने की संभावना है।

कश्मीर घाटी में हुआ ताजा हिमपात

जम्मू–कश्मीर में गुरुवार को कश्मीर घाटी के ऊंची चोटियों में और कुछ मैदानी इलाकों में ताजा हिमपात हुआ। पर्यटक स्थल पहलगाम के साथ–साथ अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां, काजीगुंड, डेक्सम, कोकेरनाग और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला सहित दक्षिण कश्मीर के मैदानी इलाकों में हिमपात हुआ। बनिहाल–बडगाम मार्ग पर चलने वाले ट्रेनों के परिचालन को हिमपात होने के कारण स्थगित कर दिया गया है, बाकी ट्रेनें अपने मार्ग पर समय से चल रही हैं। श्रीनगर–लद्दाख राजमार्ग पर जोजिला दर्रा, सुरम्य सोनमर्ग, गांदरबल और मध्य कश्मीर के अन्य स्थानों पर भी हिमपात हुआ। इसके अलावा श्रीनगर और इसके आस–पास के इलाकों में बारिश हुई है। मौसम विभाग के रिपोर्ट के अनुसार 17 से 19 जनवरी तक सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। कुछ ऊंचे इलाकों पर हल्की बर्फबारी हो सकता है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c

न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार,18 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल पाकर गदगद है फिलीपींस

अब 9 एंटी-शिप बैटरियों की मांग, चीन से मुकाबले की तैयारी

मनीला (एजेंसी)। चीन से तनाव के बीच फिलीपींस अपनी सेना के लिए अब भारत से 9 ब्रह्मोस एंटी-शिप तटीय मिसाइल बैटरियां हासिल करने का लक्ष्य बना रहा है। यह पहले से हासिल भूमि-आधारित एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम अधिग्रहण परियोजना का विस्तार है। इसके तहत फिलीपींस को भारत से दो बैटरियां प्रस्तावित की गई थी। भारत और फिलीपींस के बीच तट-आधारित एंटी-शिप मिसाइल अधिग्रहण परियोजना की शुरुआत 2015 में हुई थी, लेकिन बाद में इसे

रद्द कर दिया गया था। साल 2019 में यह भूमि-आधारित मिसाइल सिस्टम अधिग्रहण परियोजना में परिवर्तित हो गई, जिसे 2021 में मंजूरी मिली। फिलीपींस ने साल 2022 में भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर सौदा किया था। 37.5 करोड़ डॉलर की इस डील के तहत भारत फिलीपींस को भूमि-आधारित ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ ही इसकी बैटरियां, लॉन्चर और दूसरे उपकरण सौंपेगा। अप्रैल 2024 में भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप फिलीपींस को सौंपी थी। इस डिलीवरी में ब्रह्मोस मिसाइलें, टाट्रा 6×6 वाहनों पर लगे मोबाइल लॉन्चर हैं।

सैफ अली पर हमला सीसीटीवी में दिखा व्यक्ति आरोपी नहीं

पुलिस बोली-जिसे पकड़ा,उसका इस हमले से लेना-देना नहीं

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सैफ अली खान पर हमले के केस में जिस संदिग्ध को पूछताछ के लिए बांद्रा पुलिस स्टेशन लाया गया था, उसका केस से कोई लेना देना नहीं है। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार दोपहर को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि इस केस में अब तक किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। इससे पहले सुबह करीब 11 बजे न्यूज एजेंसी ने एक फुटेज जारी किया था। इसमें बताया गया था कि सैफ अली खान पर हमले के संदिग्ध को पुलिस

पूछताछ के लिए लाई है। इसका नाम शाहिद बताया गया था। कहा गया था कि उस पर पहले से ही हाउस ब्रेक के 5 केस दर्ज हैं। इस बीच महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा-एक्टर पर हमले के पीछे किसी अंडरवर्ल्ड गैंग का हाथ नहीं है। सैफ ने कभी नहीं बताया कि उन्हें खतरा है या फिर सुरक्षा की जरूरत है। मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल के चीफ न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे और सीओओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने शुक्रवार को बताया कि सैफ को आईसीयू से अस्पताल के स्पेशल रूम में शिफ्ट कर दिया गया है। वे खतरे से बाहर हैं।

धोखाधड़ी वाले कॉल पर अब लग जाएगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रॉड या धोखाधड़ी वाले कॉल आपके मोबाइल फोन पर कभी आया होगा। इससे हर आम और खास लोग परेशान है। इस परेशानी से निजात लगाने के लिए सरकार ने पुख्ता व्यवस्था की है। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग ने शुक्रवार को 'संचार साथी' का मोबाइल ऐप पेश कर दिया। इससे पहले इसका वेबसाइट वर्जन लॉन्च किया गया था। संचार साथी के मोबाइल ऐप आ जाने से लोगों को अपने मोबाइल फोन 'कॉल लॉग' से धोखाधड़ी की किसी भी संदिग्ध सूचना की सीधे रिपोर्ट करना आसान हो जाएगा। सरकार का दावा है कि इस ऐप की सहायता से फ्रॉड वाले कॉल की रिपोर्टिंग आसान होगी, साथ ही यह आम जनता को सीधे अपने मोबाइल फोन के कॉल लॉग से ऐसे नंबर को चिन्हित करने और उसकी रिपोर्टिंग करने की भी सुविधा देगा। संचार साथी मोबाइल ऐप को आज केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुरू किया। इसी के साथ उन्होंने दूरसंचार विभाग की दो अन्य पहलों राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 के लिए दृष्टिकोण तथा 'डिजिटल भारत निधि' से वित्तपोषित 4जी मोबाइल साइट पर 'इंट्रा सर्किल रोमिंग' की भी शुरुआत की। दूरसंचार विभाग ने साल 2023 में संचार साथी का वेबसाइट पेश किया था। यह मंच धोखाधड़ी वाली फोन कॉल के खिलाफ कार्रवाई में एक प्रभावी तंत्र साबित हुआ है। नया ऐप ग्राहकों के लिए सुरक्षित परिवेश सुनिश्चित कर इन प्रयासों को दोगुना कर देगा। नए ऐप पेश करते हुए सिंधिया ने कहा कि 'संचार साथी' पहल एक सुरक्षित परिवेश प्रदान करती है।

- संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कर दी पक्की व्यवस्था
- सरकार ने संचार साथी का मोबाइल ऐप कर दिया है लॉन्च

महाकुंभ के रंग प्रयागराज में चल रहे दुनिया के सबसे बड़े महाकुंभ मेले में कई अनोखे दृश्य देखने को मिल रहे हैं। कोई हाथ में डमरू तो कई त्रिशूल,भाला लिए चल रहे हैं।

उमरिया: बांधवगढ़ में कोदो खाने से हुई थी हाथियों की मौत

एनजीटी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा ; कोदो में मिली माइकोटॉक्सिन की मात्रा

उमरिया (नप्र)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की मौत के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, हाथियों की मौत कोदो के सेवन से हुई, जिसमें माइकोटॉक्सिन की मौजूदगी पाई गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण कोदो में फंगस का विकास हुआ था। एनजीटी की रिपोर्ट में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य का भी उल्लेख किया गया है। 1933 में तमिलनाडु में भी इसी तरह की घटना हुई थी, जहां कोदो खाने से 14 हाथियों की मौत हो गई थी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उपसंचालक पीके वर्मा ने बताया कि एनजीटी ने इस मामले में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) को स्थानीय स्तर पर एक समिति गठित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही कलेक्टर और कृषि विभाग के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। वर्तमान में हाथियों की सुरक्षा के लिए एक विशेष दल गठित किया गया है जो लगातार निगरानी कर रहा है। यह कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है।

सतीश सिंह को विश्व हिंदी अकादमी सम्मान

मुंबई। विश्व हिंदी अकादमी, मुंबई द्वारा आयोजित पांच दिवसीय मुंबई अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य महोत्सव में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया।

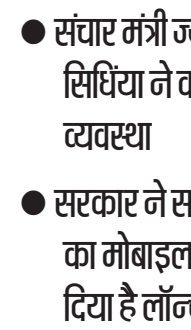

बैंकिंग, वित्त और साइबर धोखाधड़ी पर आधारित लेखों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए वरिष्ठ स्तंभकार, गीतकार, कहानीकार और बैंकर सतीश सिंह को वर्ष 2025 के लिए विश्व हिंदी अकादमी सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार प्रसिद्ध व्यंग्यकार प्रेम जनमेजय ने प्रदान किया। साथ ही विश्व हिंदी अकादमी, मुंबई के अध्यक्ष केशव राय, पार्श्व गायिका उषा टिमोथी, पार्श्व गायक चिंतन बाकीवाला, आरजे अनुराग पांडे और शायर देवमुनि पांडे मंच पर उपस्थित थे। गुजरात के गांधीनगर में भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय में सहायक महाप्रबंधक और लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत सतीश सिंह पिछले 16 वर्षों से बैंकिंग, अर्थशास्त्र और समकालीन मुद्दों पर व्यापक रूप से लिख रहे हैं और वित्तीय साक्षरता और हिंदी भाषा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सिंह ने 2,500 से अधिक लेख, 500 से अधिक कविताएँ और 60 कहानियाँ लिखी हैं।

खजुराहो एयरपोर्ट बना मध्य प्रदेश का गौरव

यात्री सुविधा सर्वे में देश के 63 एयरपोर्ट में 8वां स्थान, म.प्र.में नंबर-1

खजुराहो (नप्र)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की ओर से गुरुवार को जारी ताजा ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में खजुराहो हवाई अड्डे ने शानदार प्रदर्शन किया है। देश के 63 हवाई अड्डों में खजुराहो को आठवां स्थान मिला है, जबकि मध्य प्रदेश में यह पहले स्थान पर है।

यह सर्वेक्षण यात्रियों के अनुभवों और उनकी संतुष्टि पर आधारित था, जिसमें खजुराहो एयरपोर्ट ने सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह उपलब्धि न केवल एयरपोर्ट के लिए बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

इन मानकों पर उतरा खरा

सर्वेक्षण में 22 महत्वपूर्ण मानकों पर एयरपोर्ट का मूल्यांकन किया गया। इनमें यात्री सुविधाएं, परिवहन व्यवस्था, पार्किंग, ट्रॉली उपलब्धता, कतार प्रबंधन, स्टाफ का व्यवहार और दक्षता, सुरक्षा जांच, फ्लाइट जानकारी, खान-पान सेवाएं और बैंकिंग सुविधाएं शामिल थीं।

निदेशक बोले- बेहतर सेवाओं का परिणाम

खजुराहो एयरपोर्ट के निदेशक संतोष सिंह के अनुसार, यह उपलब्धि यात्रियों को दी जा रही बेहतर सेवाओं का परिणाम है। मध्य प्रदेश के अन्य प्रमुख हवाई अड्डों में ग्वालियर को 10वां, भोपाल को 15वां और जबलपुर को 22वां स्थान मिला है।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू से एक दिन में 7 लोगों की मौत

- 400 से ज्यादा लोग घायल, इनमें बैल मालिक और दर्शक भी,2 बैलों की भी जान गई

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के अलग-अलग जिलों में गुरुवार को पोंगल के मौके पर आयोजित जल्लीकट्टू त्योहार में 7 लोगों की मौत हुई। बैल को भीड़ के बीच छोड़कर दौड़ाने वाले इस खेल में एक ही दिन में करीब 400 से ज्यादा लोग घायल हुए। तमिलनाडु पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को कानुम पोंगल दिवस था। इस दिन जल्लीकट्टू सबसे ज्यादा खेला जाता है। 7 लोगों के अलावा पुडुक्कोट्टाई और शिवगंगा में 2 बैलों की भी मौत हुई है। जान गंवाने वाले ज्यादातर लोग खेल में भाग लेने वाली नहीं थे, बल्कि बैल के मालिक और दर्शक थे। पुलिस ने बताया कि 1 शख्स की मौत शिवगंगा जिले के सिरवायल मंजुविरट्टू में मौत हो गई। वह इस खेल में भाग लिया था। वहीं, मदुरै के

अलंगनल्लूर में खेल देखने आए दर्शक को सांड ने घायल कर दिया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। वहीं, 5 अन्य लोगों की भी अलग-अलग जिलों में जल्लीकट्टू के कारण मौत हुई। 2025 का पहला जल्लीकट्टू पुदुक्कोट्टई के गंडारवाकोट्टई तालुक के थचानकुरिची गांव में शुरू हुआ था। इसके बाद यह त्रिची, डिंडीगुल आदि में फैल गया।

चोरी का लोडिंग वाहन पेड़ से टकराया, युवक की मौत

बैतूल के पाथाखेड़ा की घटना, भोपाल का रहने वाला था युवक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के युवक की बैतूल के पाथाखेड़ा में पेड़ से लोडिंग वाहन टकराने के बाद मौत हो गई। आरोप है कि वह वाहन को चोरी कर भाग रहा था। तभी यह हादसा हुआ। बैतूल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसा शुक्रवार तड़के सुबह 3:30 बजे का है। पीएम के बाद शव मृतक के परिजन को सौंप दिया गया है।

बुधवारा निवासी रेहान उर्फ बिट्टू (28) ड्राइवरी करता था। चोरी किया गया छोटा हाथी वाहन सारणी-पारसिया स्टेट हाईवे पर एक पेड़ से टकरा गया। इससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई। सारणी थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के मुताबिक, चोरी किया गया वाहन बजरंग मंदिर पाथाखेड़ा निवासी संतोष कुमार का था, जिसमें माल भरा हुआ था। वाहन मालिक ने बताया कि उन्होंने

रात में वाहन को लोड कर खड़ा किया था, जिसे कोई चुराकर ले गया था।

युवक के पास से एक टूटा हुआ मोबाइल मिला है- एसपी निश्चल एन झारिया ने बताया कि, मृतक के पास से एक टूटा हुआ मोबाइल फोन मिला, जिसमें दो सिम कार्ड थे। इन सिम कार्ड को दूसरे मोबाइल में लगाकर संपर्कों के जरिए मृतक की पहचान की गई। पुलिस अब मृतक के पिछले 6 महीने सीडीआर चेक की जा रही है। जिससे मृतक के आपराधिक नेटवर्क का पता लगाया जा सके। साथ ही, जिन स्थानों पर वह गया था, वहां की चोरी की घटनाओं के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

दो दिन पहले भोपाल से रवाना हुआ था- युवक भोपाल से दो दिन पहले रवाना हुआ था। पुलिस का अनुमान है कि चोरी की नीयत से वह ट्रेन में सवार होकर बैतूल पहुंचा। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह अकेला था कि उसके साथी भी साथ थे।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर में सुरक्षाबलों ने मार गिराए 12 नक्सली, ऑपरेशन जारी

शव और हथियार बरामद,बस्तर में 24 घंटे में 2 आईईडी ब्लास्ट,4 जवान घायल

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी माओवादियों के शव लेकर जवानों की एक टीम कोंडापल्ली पहुंची। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार भी मिले हैं। इलाके में सर्चिंग अब भी जारी है। इधर नारायणपुर में नक्सलियों की लगाई आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आकर दो बीएसएफ (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) जवान घायल हो गए हैं। दोनों का इलाज जारी है। इससे पहले गुरुवार को बीजापुर में भी आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से 2 जवान घायल हुए थे। बीजापुर के पुजारी कांकेर में गुरुवार दिनभर मुठभेड़ चली। दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के करीब 1500 से ज्यादा जवान ऑपरेशन पर निकले थे। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है।

महाकुंभ में आएंगे राहुल और प्रियंका, संगम में करेंगे स्नान

- मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, राजनाथ सिंह ने बुलाई सेना की बैठक

प्रयागराज (एजेंसी)। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी महाकुंभ में आएंगे। वे संगम में स्नान करेंगे और साधु-संतों से आशीर्वाद लेंगे। दोनों नेता कांग्रेस के सेवा दल के शिविर में आएंगे। सेवादल से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया- राहुल के कार्यक्रम का शेड्यूल अभी नहीं आया है। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं दी गई है। कल यानी शनिवार को योगी संगम पहुंचेंगे। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या की तैयारियों का जायजा लेंगे। मौनी अमावस्या पर अनुमान है कि 8-10 करोड़ श्रद्धालु स्नान करने आएंगे। केंद्रीय मंत्री राजनाथ

सिंह भी शनिवार को प्रयागराज में सेना के अफसरों के साथ मीटिंग करेंगे। शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक 19 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अब तक कुल 7 करोड़ लोग संगम स्नान कर चुके हैं। लखनऊ में गुरुवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महाकुंभ को लेकर सरकार पर तंज कसा। कहा- सरकार का हर आंकड़ा फर्जी है। कुछ ट्रेनें खाली जा रही हैं। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली में इस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- उनके बयान का कोई आधार नहीं है। दुनिया देख रही है।

राजभवन 25 से 27 जनवरी तक आमजन के लिए खुलेगा

26 जनवरी को प्रात: 11 से दोपहर 2 बजे तक कर सकेंगे भ्रमण

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर तीन दिनों के लिए राजभवन, आमजन के लिए खोला जा रहा है। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता ने बताया कि आम नागरिक 25 जनवरी से 27 जनवरी 2025 तक निर्धारित समयावधि में राजभवन का अवलोकन कर सकेंगे। राजभवन, दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2025 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आमजन को राजभवन भ्रमण की अनुमति रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य, परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा भोपाल में जनसुनवाई की गई।

कौशल विकास और रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में उद्योग और शैक्षणिक परामर्श कार्यशाला को संबोधित किया।

राज्यपाल को लोक सेवा आयोग का 67वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया

आयोग के पदाधिकारियों ने राजभवन में की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पदाधिकारियों ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेशलाल मेहरा ने आयोग का 67वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया। इस अवसर पर सदस्य डॉ. कृष्णकांत शर्मा और डॉ. नरेन्द्र कुमार कोष्टी एवं सचिव श्री प्रबल सिपाहा मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल को आयोग अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा वर्ष 2023-24 में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के पदों की पूर्ति के लिए 70 विज्ञप्ति जारी की गई है। इस अवधि में 21 परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 13 हजार 833 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार किया गया। वर्ष 2023-24 में 3 हजार 114 और वर्ष 2024-25 में 1 हजार 829 अभ्यर्थियों का चयन कर 4 हजार 943 पदों के चयन की अनुशंसा शासन को भेजी गई। उन्होंने आयोग द्वारा किए गए राज्य पात्रता परीक्षा के आयोजन, मूल्यांकन प्रक्रियाओं मे किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराया।

मालवा-झेलम सहित 8 ट्रेन कैंसिल

कटरा-कश्मीर जाने वालों को फरवरी में होगी असुविधा, इन तिथियों पर सेवाएं बाधित

भोपाल (नप्र)। अगर आप वैष्णो देवी कटरा या कश्मीर में जाने का सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है, क्योंकि उत्तर रेलवे के

जम्मूतवी स्टेशन पर री-डेवलपमेंट एवं यार्ड कनेक्शन का कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली 8 ट्रेनों को निरस्त करने का फैसला रेलवे ने लिया है। इसमें झेलम और मालवा एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें शामिल हैं।

इन ट्रेनों की सेवा रहेगी प्रभावित: जानें तारीखें और डिटेल्स

- 12751 नांदेड - जम्मू तवी एक्सप्रेस निरस्त तिथियां: 21 फरवरी और 28 मार्च कुल 2 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।
- 12752 जम्मू तवी - नांदेड़ एक्सप्रेस निरस्त तिथियां: 23 फरवरी और 02 मार्च कुल 2 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।
- 11077 पुणे जं. - जम्मू तवी एक्सप्रेस निरस्त तिथियां: 17 फरवरी से 04 मार्च कुल 16 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।
- 11078 जम्मू तवी - पुणे जं. एक्सप्रेस निरस्त तिथियां: 19 फरवरी से 06 मार्च कुल 16 ट्रिप के लिए सेवा बाधित।
- 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर - श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस 01 से 05 मार्च तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा - डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस 03 मार्च से 07 मार्च तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- 22705 तिरुपति-जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 14, 21, 28 जनवरी, 04 11, 18 फरवरी और 25 फरवरी को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
- 22706 जम्मू तवी-तिरुपति एक्सप्रेस दिनांक 17, 24, 31 जनवरी, 07, 14, 21 और 28 फरवरी को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

121 करोड़ रुपए का पौने 3 किमी लंबा ब्रिज तैयार

जीजी फ्लाईओवर से गुजरेगा एमपी नगर का 60 प्रतिशत ट्रैफिक, 30 की बजाय 5 मिनट में पूरी होगी दूरी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सबसे लंबे जीजी (गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक) फ्लाई ओवर का काम पूरा हो गया है। पौने 3 किमी लंबा यह ब्रिज 121 करोड़ रुपए की लागत से बना है। 15 दिन में थर्ड आर्म यानी, तीसरी भुजा और सर्विस लेन भी पूरी हो गई है। इस ब्रिज का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी कर सकते हैं।

हालांकि, केंद्रीय मंत्री गड़करी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तारीख अभी तय नहीं हो पाई है। इससे पहले ब्रिज की ओपनिंग 3 जनवरी को होने की उम्मीद थी, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से कार्यक्रम टाल दिया गया था। उम्मीद है कि इसी सप्ताह ब्रिज से ट्रैफिक शुरू कर दिया जाएगा।

2 की बजाय 4 साल लगे

यह भोपाल का सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई 2734 मीटर यानी, करीब पौने 3 किमी है। इसका काम दिसंबर 2020 में शुरू हुआ था। जिसे 2 साल में बन जाना था। लेकिन इसे बनने में 4 साल लगे। पहले 26 दिसंबर को ब्रिज की ओपनिंग करने की बात सामने आई थी, लेकिन थर्ड आर्म नहीं बनने की वजह से ट्रैफिक शुरू नहीं हो सका था। वहीं, पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह गुजरात दौरे पर चले गए थे। 3 जनवरी को भी उद्घाटन की तारीख तय की जा रही थी।

लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के निधन के चलते उद्घाटन कार्यक्रम टाल दिया गया।

लोड, लाइटिंग टेस्ट पूरे- पीडब्ल्यूडी के अफसरों के मुताबिक, गणेश मंदिर से वल्लभ भवन चौराहा की ओर आने वाली पहली और दूसरी आर्म का काम पूरा हो चुका है। इस रूट पर लोड टेस्ट भी हो चुका है। फिर भी ट्रैफिक का संचालन शुरू होने पर लोगों को कोई परेशानी न आए, इसलिए यहां कुछ बदलाव किए जा रहे हैं। मैनिट के एक्सपर्ट्स से मिली सलाह के बाद पीडब्ल्यूडी के अफसरों ने ये बदलाव किए हैं।

भोपाल में पुलिस कस्टडी से भागा चोर गिरफ्तार

कब्रिस्तान में छिपा था, मुखबिर की सूचना पर पकड़ाया

भोपाल (नप्र)। 9 जनवरी को कोहेफिजा पुलिस की हिरासत से भागे शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मेडिकल के लिए जेपी अस्पताल लेकर पहुंची थी। इसी दौरान वह हथकड़ी खिसकाकर मौके से भाग निकला था।

एसआई संजीव धाकड़ ने बताया कि, कोहेफिजा इलाके में 400 ग्राम चांदी चोरी के एक आपराधिक प्रकरण में पुलिस ने विदिशा के शातिर चोर जयंत लोधी को पकड़ा था। गिरफ्तारी के बाद उसे मेडिकल कराने के लिए 9 जनवरी को जेपी अस्पताल ले जाया गया था। यहां पर उसने पुलिसकर्मियों को चकमा देकर हथकड़ी खिसकाकर फरार हो गया था। हिरासत से फरार होने का मामला हबीबगंज थाने में दर्ज किया गया था।

कट्टा, कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी

इधर कोहेफिजा पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि ईसाई कब्रिस्तान के पास एक युवक संदिग्ध हालत में खड़ा हुआ है। उसके पास कारतूस व कट्टा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास एक देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस मिले।

वन्यजीव प्रबंधन में सुधार लाने फॉरेस्ट अफसरों का मंथन

सीसीएफ, डीएफओ, टाइगर रिजर्व संचालक बताएंगे कैसे बदलना है प्रोटोकॉल

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के वानिकी पर मंथन के बाद वन विभाग अब वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्रों में सुधार लाने और वन प्रबंधन को जनोन्मुखी बनाने पर मंथन कर रहा है। इसके लिए फील्ड के

अधिकारियों से सुझाव लिए जा रहे हैं और इन सुझावों के आधार पर भविष्य में नए प्रोटोकॉल तैयार किए जाएंगे।

इन प्रोटोकॉल का उद्देश्य वन्यजीवों के लिए बेहतर रहवास सुनिश्चित करना और उन्हें किसी भी तरह के खतरे से बचाते हुए लोगों की जीवन-चर्या से जोड़ना है।

वन और वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्रों में सुधार के लिए वन अधिकारियों की टीम आज से दो दिवसीय मंथन कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस कार्यक्रम में वन प्रबंधन को जनोन्मुखी बनाने के लिए नए प्रोटोकॉल पर चर्चा हो रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वामित्व योजना में वितरित करेंगे सम्पत्ति कार्ड

प्रदेश के 15 लाख 63 हजार हितग्राही होंगे लाभान्वित, मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिवनी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 18 जनवरी को मध्यप्रदेश के 15 लाख 63 हजार से अधिक हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत ई-वितरण कार्यक्रम में सम्पत्ति कार्ड वितरित करेंगे। साथ ही योजना के लाभार्थी कार्ड-धारकों के साथ वर्चुअल संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिवनी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम होगा, जिसमें केन्द्रीय मंत्री, प्रदेश के मंत्रीगण, सांसद और विधायक सहभागिता करेंगे।

प्रदेश में स्वामित्व योजना में 88 प्रतिशत कार्य पूर्ण- स्वामित्व योजना प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि पर (25 सितम्बर, 2018 के पूर्व) निवासरत व्यक्तियों को अधिकार अभिलेख प्रदान करने की योजना है। इसका प्रारंभ 7 जुलाई, 2020 को किया गया। योजना अंतर्गत प्राप्त अधिकार अभिलेखों का प्रयोग हितग्राहियों द्वारा बैंक से ऋण, सम्पति को बंधक रखने तथा सम्पति को विक्रय करने में किया जा सकता है। प्रदेश में कुल आबादी क्षेत्रों में सर्वेक्षित निजी सम्पतियों की संख्या लगभग 45.60 लाख अनुमानित है। इसमें से लगभग 39.63 लाख निजी सम्पतियों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 88 प्रतिशत है।

अभी तक अधिकार अभिलेख वितरण के कार्यक्रम में 24 लाख निजी अधिकार अभिलेखों का वितरण किया जा चुका है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 18 जनवरी को 15.63 लाख से अधिक हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख (ई-सम्पत्ति कार्ड) वितरित किये जायेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण होगा। जिलों में प्रतिभागियों के लिये प्रशिक्षण-सह-अभिविन्यास सत्र होगा, जिसमें स्वामित्व योजना और मेरी पंचायत ऐप का उपयोग, पंचायत राज संस्थाओं से संबंधित विषय शामिल होंगे।

किस जिले में कौन होगा शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिवनी जिले में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना, केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार टीकमगढ़, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर धार, स्पीकर विधानसभा श्री नरेन्द्र सिंह तोमर मुरैना, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा देवास, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह रतलाम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मंडला, परिवहन, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह बालाघाट, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके उमरिया, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट इंदौर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एंदल सिंह कंषाना दतिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया झाबुआ, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत नरसिंहपुर, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग शाजापुर, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह निवाड़ी, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान आगर-मालवा, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला श्योपुर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप राजगढ़, उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार पन्ना, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी खंडवा, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल सीधी, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल उज्जैन, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल विदिशा, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार रायसेन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सतना, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार सिंगरौली, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह मैहर, सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी अलीराजपुर में, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ग्वालियर, सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा छतरपुर, सांसद श्री बंटी विवेक साहू छिंदवाड़ा, सांसद राज्यसभा श्रीमती कविता पाटीदार नीमच, सांसद राज्यसभा श्रीमती माया सिंह नरोलिया पांडुना, सांसद श्री गजेन्द्र सिंह बड़वानी, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल बुरहानपुर, सांसद श्री सुधीर गुप्ता मंदसौर, सांसद श्रीमती लता वानखेड़े सागर, सांसद श्री जनार्दन मिश्रा मऊगंज में, विधायक श्री बृजेन्द्र सिंह यादव अशोकनगर में और विधायक श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाह भिंड में शामिल होंगे।

राष्ट्रीय खेल-2025

उत्तराखण्ड में मध्यप्रदेश के 335 खिलाड़ी करेंगे भागीदारी : मंत्री श्री सारंग

भोपाल (नप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 28 जनवरी से राष्ट्रीय खेल-2025 उत्तराखण्ड में शुरू होने जा रहे हैं। इनमें मध्यप्रदेश के 335 खिलाड़ी भागीदारी करने जा रहे हैं। राष्ट्रीय खेल में 35 खेल शामिल किये गये हैं, जिनमें से 25 खेल प्रतियोगिता और एक प्रदर्शन खेल में मध्यप्रदेश भागीदारी करेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अपना सर्वेश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

पदक विजेताओं की राशि बढ़ायी- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि पिछले राष्ट्रीय खेल में स्वर्ण पदक विजेता को 5 लाख रूपये, रजत को 3 लाख 20 हजार रूपये और काँस्य पदक विजेता को 2 लाख 40 हजार रूपये की पुरस्कार राशि दी गई थी। इस बार इसको बढ़ाकर स्वर्ण पदक विजेता को 6 लाख, रजत 4 लाख और कास्क पदक विजेता को 3 लाख रूपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जायेगी। पिछली बार मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा है। इस बार भी राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अग्रणी श्रेणी हासिल करेंगे।

नवाचार- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार नवाचार करते हुए टीम को उत्तराखंड के वातावरण के अनुकूल होने के लिये पहले से भेजने की तैयारी की गई है। साथ ही विशेष प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से भी खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। खेल और खिलाड़ियों की सुविधाओं की जरूरतों पर भी काम किया गया है। उनके साथ विशेष प्रशिक्षक एवं ऑफिसर्स की टीम भी जा रही है।

कलारीपयट्टु सहित 25 खेल में म.प्र. करेगा प्रदर्शन- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदर्शन खेल में कलारीपयट्टु में मध्यप्रदेश प्रदर्शन करेगा। इसके साथ एथलेटिक्स, तीरंदाजी, साइकलिंग, बास्केट बॉल, हैण्ड बॉल, रोइंग, कयाकिंग, कैनोइंग, स्लालम, योगा, फेंसिंग, मल्लखंब, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, ताइकांडो, ट्रायथलॉन, वुशु, मॉडर्नपेंटाथलॉन, स्क्वैश, जिमनास्टिक्स, हॉकी (पुरूष एवं महिला), जूडो, शूटिंग और बैडमिंटन खेल भी शामिल हैं। राष्ट्रीय खेलों के लिये मध्यप्रदेश के खिलाड़ी प्रशिक्षण शिविरों में हिस्सा ले रहे हैं। इन शिविरों में खेल विशेषज्ञ, कोच और आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाया जा रहा है। खिलाड़ियों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किये जा रहे हैं, जिससे वे प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

खिलाड़ियों के लिये स्पोर्ट्स साइंस सपोर्ट- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि राष्ट्रीय खेलों में सबसे बड़ा दल हॉकी (महिला एवं पुरूष), जिसमें 32 खिलाड़ी हैं। एथलेटिक्स के 28 खिलाड़ी और रोइंग एवं वुशु के 23-23 खिलाड़ी हैं। इन खेलों में मध्यप्रदेश के ओलंपियन खिलाड़ी विवेक सागर एवं ऐश्वर्य प्रताप सिंह भी भाग लेंगे। खिलाड़ियों को यात्रा किराया, सामान्य किट, ऑफिशियल किट सहित आधुनिक खेल उपकरण एवं उत्कृष्ट स्तर की अधोसंरचना उपलब्ध कराई जा रही है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन सुधार के लिये स्पोर्ट्स साइंस का सपोर्ट भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें फीजियो स्ट्रेंथ एण्ड कंडीशनिंग एक्सपर्ट, न्यूट्रीशन, स्पोर्टस सायकॉलॉजिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट और वीडियो एनालाइजर शामिल हैं। टीम के साथ एक चीफ दी मिशन, दो डिप्टी चीफ दी मिशन, फोटोग्राफर, कार्यालय सहायक आदि को भी शामिल किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी 28 जनवरी को करेंगे उद्घाटन- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि राष्ट्रीय खेल का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 जनवरी को देहरादून में किया जायेगा। विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं पूरे उत्तराखण्ड में 10 स्थानों पर आयोजित की जायेंगी। इस 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 में ओलंपिक और स्वदेशी, दोनों प्रकार के खेलों सहित 35 खेल होंगे। इसमें 10 हजार से अधिक एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है।

गौहर महल में हेरिटेज फेस्टिवल सीजन 5 शुरू हुआ

150 साल पुराना परी बाजार लगाया गया; लोक नृत्य और सूफी संगीत के कार्यक्रम हुए

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गौहर महल में बेगम ऑफ भोपाल क्लब का हेरिटेज फेस्टिवल सीजन 5 शुरू हो चुका है। फेस्टिवल में भोपाली संस्कृति को दिखाने वाला परी बाजार लगाया गया है।

इसके साथ ही नृत्य, संगीत और टॉक शो जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। फेस्टिवल के पहले दिन जनजातीय नृत्य, टॉक शो, किस्से अनकहे और शाम-ए-कलाम जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि यह फेस्टिवल मातृ शक्ति को दिखाने वाला है। परी बाजार लगभग 150 साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत है, जिसे नवीनीकरण के बाद फिर से पेश किया गया है। यह फेस्टिवल 19 जनवरी तक जारी रहेगा।परी बाजार में पारंपरिक पोशाक और व्यंजन के करीब 65 स्टॉल्स लगाए गए है।

स्वास्थ्य मंत्री ने परी बाजार का भ्रमण किया- फेस्टिवल के पहले दिन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परी बाजार का भ्रमण किया। साथ ही सूफी संगीत कार्यक्रम शाम-ए-कलाम का लुत्फ उठाया। सूफी संगीत कार्यक्रम शाम-ए-कलाम में स्वास्थ्य मंत्री भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री बोले- ऐसे कार्यक्रम भविष्य की पीढ़ी को सिखाने वाले है- अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य की पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत बताने और कुछ सिखाने वाले है। इनके समय - समय पर आयोजन से मन आनंद से भर जाता है। पारंपरिक गोंड चित्रकला भेंट कर स्वास्थ्य मंत्री को सम्मानित किया गया।

संपादकीय

इसरो : कामयाबी का नया परचम

भारत ने अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को आपस में जोड़ने की दुर्लभ तकनीक का सफल प्रयोग कर कामयाबी का एक और परचम लहरा दिया है। इसका श्रेय पूरी तरह भारतीय अंतरिक्ष संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत को जाता है। अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को आपस में जोड़ने में कुछ दिक्कतें भी आईं, लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने उसका उपाय ढूंढ लिया। अंतरिक्ष में तेजी से चक्कर लगा रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ने की इस जटिल प्रौद्योगिकी को डॉकिंग कहते हैं। यह तकनीक अर्जित करने वाला भारत अब अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बन गया है। इस मायने में भारतीय वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष की अनंत दुनिया और ब्रह्मांड के अज्ञात रहस्यों की पड़ताल करने की दिशा में अपना झंडा गाड़ दिया है। इसरो ने धरती से 475 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की कक्षा में यह कमाल कर दिखाया। इसरो ने इसे स्पेडेक्स डॉकिंग मिशन नाम दिया था। यूं भारत अंतरिक्ष में पहले भी कई कामयाबियां अर्जित कर चुका है। इसमें एक साथ सौ उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में उतारने, दूसरे देशों के उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने, चांद पर अपना लैंडर उतारने के साथ-साथ उसका रोवर चांद की सतह को नाप चुका है। चांद पर पानी है भारत ये भी दुनिया को बता चुका है। हम मंगल ग्रह पर अपना यान भेज चुके हैं और वहां से लगातार आठ साल तक वैज्ञानिक जानकारियां हासिल कर चुके हैं। लेकिन अंतरिक्ष की गुत्थियां सुलझाने के लिए हम तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब अंतरिक्ष में कुछ समय बिताया जा सके। अपना मानव मिशन अंतरिक्ष और चांद तक भेजा जा सकें। अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बनाया जा सके। इन तमाम लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इसरो के स्पेडेक्स डॉकिंग मिशन का कामयाब होना हर हाल में जरूरी था, जो हमारे वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। लेकिन अभी तो यह शुरूआत है। इसरो के मुताबिक इसके बाद दोनों यानों या उपग्रहों के बीच बिजली ट्रांसफ़र की जाएगी। ऐसा करने के बाद भविष्य में एक यान अंतरिक्ष में दूसरे यान को ऊर्जा दे सकेगा या बिजली सप्लाई कर सकेगा। इसके बाद दोनों को एक-दूसरे से अलग किया जाएगा, जिसे अनडॉकिंग कहा जाता है और यह प्रयोग भी सफल होना बेहद जरूरी है। यह सफल होता है तो यह भविष्य के कई मिशनों की बुनियाद बन जाएगा। इस मिशन की सफलता पर पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायण ने कहा कि यह कुछ ऐसा है, जिसका सालों से हम सपना देख रहे थे। इसी की अगली कड़ी में भारत की योजना 2040 तक चांद पर किसी भारतीय को उतारने की है। भारत 2035 तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की तरह अपना भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की तैयारी भी कर रहा है। एक और अहम बात यह मिशन तुलनात्मक रूप से बहुत लागत में पूरा हुआ है। स्पेडेक्स मिशन की लागत कुल 370 करोड़ रू. रही। इससे ज्यादा खर्च तो बॉलीवुड की एक फिल्म पर हो जाता है। इसकी तुलना अगर इलान मस्क के अंतरिक्षयान मिशन स्पेस एक्स से करें तो यह उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही फेल हो गया। यह बात अलग है कि मस्क के लिए पैसे की यह बर्बादी भी महज मनोरंजन था। हम इसे अफोर्ड नहीं कर सकते। हालांकि इसके पहले मस्क का स्टारशिप रॉकेट मिशन जरूर सफल रहा था, जिसमें रॉकेट के तबाह होने से कुछ मिनट पहले बूस्टर ने सफलतापूर्वक जमीन पर लैंडिंग की। 400 फीट लंबा यह स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ताकतवर रॉकेट था। बहरहाल स्पेडेक्स मिशन की सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बुद्ध के विचारों को आचरण में लाना भी जरूरी

हमारा देश भारत को देवी-देवताओं,संतों-ऋषियों व फ़क़ीरों की धरती कहा जाता है। हमारे देश में अलग-अलग युग व काल में अनेकानेक देवी देवताओं, महापुरुषों, समाज सुधारक, युग प्रवर्तक व धर्म प्रवर्तकों ने जन्म लिया है। इन महापुरुषों द्वारा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते हुये विश्व को मानवता का सन्देश दिया गया है। ऐसे ही एक महान तपस्वी त्यागी तथा सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाते हुये पूरी मानवता को जीने की एक नई दिशा दिखाने वाले बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान गौतम बुद्ध का नाम भी सर्व प्रमुख है। बौद्ध धर्म कंबोडिया, म्यांमार, भूटान और श्रीलंका में राजकीय धर्म के रूप में अपना स्थान रखता है जबकि थाईलैंड और लाओस में बौद्ध धर्म को विशेष दर्जा हासिल है। चीन, हांगकांग,मकाऊ,जापान,सिंगापुर, ताइवान, वियतनाम,रूस व कलमीकिया में बौद्ध धर्म बहुसंख्य समाज द्वारा अपनाया जाता है जबकि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, नेपाल और भारत में भी बौद्ध समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। ईसा पूर्व 563 में नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे महात्मा बुद्ध का पूरे विश्व में अपना प्रभाव छोड़ना और उनके अनुयाइयों का विश्वव्यापी विस्तार इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी है कि वे जनमानस पर अपनी असाधारण छाप छोड़ने वाले एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने पूरी इंसानियत को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने महत्वपूर्ण भाषणों में यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ में अपने सम्बोधन में भी महात्मा बुध की शिक्षाओं का ज़िक्र करते रहे हैं। नवंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि 'हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं।' वे अनेक बार बुद्ध की सत्य और अहिंसा की नीतियों का उल्लेख महत्वपूर्ण मंचों से करते रहे हैं। लगभग 3 माह पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस को संबोधित करते हुए भी यही कहा था कि 'दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है। दुनिया को शांति के रास्ते पर चलने के लिए बुद्ध की शिक्षाओं से सीखना चाहिए। ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि एक ज़रूरत भी हैं।' इसी तरह पिछले दिनों एक बार फिर प्रधानमंत्री ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025 का उद्घाटन करते हुए बुद्ध की शिक्षाओं को याद किया और कहा कि यह देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह बता पाने में सक्षम है कि भविष्य 'युद्ध' में नहीं, बल्कि 'बुद्ध' में निहित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुनिया को युद्ध के

बजाय 'बुद्ध' के शांति अहिंसा के विचारों पर चलने व उसे आत्मसात करने का बार बार जो 'उपदेश' दिया जाता है क्या देश में'बुद्ध' की बताई गयी सत्य और अहिंसा की नीतियों का अनुसरण किया भी जाता है या नहीं? क्या हमारे देश में समय समय पर धर्म,समुदाय व जातियों के नाम पर होने वाली हिंसा और इसे भड़काने वाले नेताओं को बुद्ध की सत्य और अहिंसा की शिक्षा से प्रेरित कहा जा सकता है ? यह बुद्ध का ही तो कथन है कि 'भले ही चाहे कितनी अच्छी बातों को पढ़ लें या उन्हें सुन लें उसका तब तक फ़ायदा नहीं है जबतक हम खुद उस पर अमल नहीं करते'। और यह भी बुद्ध ने ही कहा है कि 'बुराई करने वालों को हमेशा अपने पास रखो क्योंकि वही तुम्हारी ग़लतियां तुम्हें बता सकते हैं'। बुद्ध की इन शिक्षाओं के सन्दर्भ में बुराई करने वालों को तो छोड़िये सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले विपक्ष व मीडिया से सत्ता कैसे पेश आ रही है? क्या यही बुद्ध की नीतियों का अनुसरण है ? बुद्ध का कथन है कि -'जो लोग ज़्यादा बोलते हैं वे सीखने की कोशिश नहीं करते जबकि समझदार व्यक्ति हमेशा निडर और धैर्यशाली होता है जो समय आने पर ही बोलता है'। यह भी बुद्ध का कथन है कि 'दूसरों की आलोचना करने से पहले, खुद की आलोचना करो'। राजनेताओं को बुद्ध का यह कथन ज़रूर याद रखना चाहये कि-'जो इर्ष्या और जलन की आग में तपते रहते है उन्हें कभी भी शांति और सच्चा सुख प्राप्त नहीं हो सकता है'। और यह भी कि-'आप तभी खुश रह सकते है जब बीत गयी बातों को भुला देते है'। परन्तु यहाँ तो गड़े मुर्दे उखाड़ कर ही अपनी राजनीति के परचम लहराये जा रहे हैं ?

म्यांमार के कट्टरपंथी बौद्ध भिक्षु अशीन विराथु को उनके कट्टरपंथी भाषणों व उनके हिंसक तेवरों की वजह से जाना जाता है। स्वयं को महात्मा बुद्ध का अनुयायी ही नहीं बल्कि बौद्ध भिक्षु बताने वाला यह शख़्स केवल आग ही उगलता रहता है। भारत की बहुसंख्यवादी राजनीति की तर्ज़ पर यह भी अपने भाषणों के द्वारा बौद्ध समुदाय की भावना को यह कहकर भड़काने का काम करता है कि मुस्लिम अल्पसंख्यक एक दिन देश भर में फैल जाएंगे। इसी कथित बौद्ध भिक्षु को लेकर टाइम मैगज़ीन ने अपने 1 जुलाई, 2013 के अंक में मुख्य पृष्ठ पर उसकी फ़ोटो 'दि फ़ेस ऑफ़ बुद्धिस्ट टेरर' या 'बौद्ध आतंक का चेहरा' जैसे शीर्षक के साथ प्रकाशित की थी? स्वयं को बौद्ध भिक्षु बताने वाले इसी आतंकी अशीन विराथु ने म्यांमार में संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि यांगी ली को 'कुतिया' और 'वेश्या' कहकर सम्बोधित किया था। इस व्यक्ति पर अपने भाषणों के माध्यम से म्यांमार में लोगों को सताने की साज़िश रचने व उनकी सामूहिक हत्या कराने का आरोप लगाया गया है। इस के उपदेशों में वैमनस्यता की बात होती है और इसका निशाना मुस्लिम ख़ासकर रोहंग्या समुदाय ही होता है।

हालांकि बर्मा के अनेक बौद्ध भिक्षु ऐसे भी हैं जो उसके वैमनस्य पूर्ण बयानों से नाख़ुश हैं। ऐसे भिक्षु साफ़तौर से यह कहते हैं कि 'उन्हें यह सब बहुत ख़राब लगता है। इस तरह के शब्दों का प्रयोग किसी बौद्ध भिक्षु को नहीं करना चाहिए।' इसी तरह पिछले दिनों श्रीलंका में कट्टरपंथी बौद्ध भिक्षु गालागोडाटे ज्ञान सारा को इस्लाम धर्म का अपमान करने और धार्मिक नफ़रत फैलाने के आरोप में नौ महीने की जेल की सज़ा सुनाई गई है। 2018 में भी ज्ञान सारा को एक आपराधिक मामले में छह साल की सज़ा सुनाई गई थी। दरअसल महात्मा बुद्ध के विचारों की बात करना ही पर्याप्त नहीं बल्कि इन्हें अपने 'आचार' व व्यवहार में लाना भी उतना ही ज़रूरी है।

प्राकृतिक आपदाएं

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं।

तिब्बत में आए भूकंप के मायने

हिमालय के उत्तरी तलहटी में स्थित चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के पवित्र नगरों में से एक शिगात्से के निकट 6.8 तीव्रता के भूकंप ने 126 लोगों के प्राण लील लिए और 188 घायल हुए हैं। पड़ोसी देश नेपाल और भारत में भी इसके झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र तिंगरी काउंटी में था, जो हिमालय की चोटी माउंट एवरेस्ट क्षेत्र का उत्तरी द्वार माना जाता है। हालांकि अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 7.1 आंकी है। इसमें 1000 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। वास्तविक नुकसान कितना हुआ है, इसका अधिकारी आकलन कर रहे हैं। भूकंप से तिब्बत में किसी बांध या जालाशय को हानि नहीं पहुंची हैं, लेकिन गौरतलब है कि भूकंप ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना ने भारत और बांग्लादेश को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि यह पूरा क्षेत्र भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव के कारण चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से नेपाल और उत्तर-भारत में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

तिंगरी में आया यह भूकंप ल्हासा भूखंड के रूप में जाने जाने वाले हिस्से में दरार के कारण आया है। 1950 के बाद ल्हासा भूखंड में छह या उससे अधिक तीव्रता के 21 भूकंप आए हैं। इनमें सबसे बड़ा 2017 में मैनलिंग में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था। मैनलिंग तिब्बत की यारलुंग जंगबो नदी के निचले हिस्से में स्थित है। इसी नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र नदी कहा जाता है। चीन यहीं दुनिया का सबसे बड़ा जल विद्युत बांध बनाने की घोषणा कर चुका है। 2015 में नेपाल की राजधानी काठमांडू के पास 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। जिसमें लगभग 9000 लोग मारे गए थे और हजारों घायल हुए थे। मृतकों में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप में हिमस्खलन की चपेट में आकर 18 लोग मारे गए थे। माउंट एवरेस्ट क्षेत्र में इस समय ठंड अधिक होने के कारण पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित है। शिगास्ते भारत की सीमा के निकट है, इस पवित्र शहर को शिगाजे नाम से भी जाना जाता है।

हालांकि भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले देशों अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों नाकाम हैं? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका ने तो अंतरिक्ष में ऐसा उपग्रह भी तैनात कर दिया है, जो संभावित भूकंप आने की चेतावनी देने के लिए ही क्रियाशील है।

दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घटकर 4 साल हो गई है। अमेरिका में 1973 से 2008 के बीच प्रति वर्ष औसतन 21 भूकंप आए, वहीं 2009 से 2013 के बीच यह संख्या बढ़कर 99 प्रति वर्ष हो गई। यही नहीं आए भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उनसे 20 थर्मोन्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागासाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। जापान और फिर क्रोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं।

भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। पूरी दुनिया इस अभिशाप को झेलने के लिए जब-तब विवश होती रही है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक आज तक ऐसी तकनीक ईजाद करने में असफल रहे हैं, जिससे भूकंप की जानकारी आने से पहले मिल जाए। भूकंप के लिए जरूरी ऊर्जा के एकत्रित होने की प्रक्रिया को धरती की विभिन्न परतों के आपस में टकराने के सिद्धांत से आसानी से समझा जा सकता है। ऐसी वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और आस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गईं और वे यूरेशिया परत से जा टकराईं। इस टक्कर के फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर अब तक अटल खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकराकर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की इस प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक क्रियाओं के कारण भी भूकंप आते हैं। भूकंपों की उत्पत्ति धरती की सतह से 30 से 100 किमी भीतर होती है। इससे यह वैज्ञानिक धारणा भी बदल रही है कि भूकंप की विनाशकारी तरंगें जमीन से कम से कम 30 किमी नीचे से चलती हैं। ये तरंगे जितनी कम गहराई से उठेगी, उतनी तबाही भी ज्यादा होगी और भूकंप का प्रभाव भी कहीं अधिक बड़े क्षेत्र में दिखाई देगा। लगता है अब कम गहराई के भूकंपों का दौर चल पड़ा है। मैक्सिको में सितंबर 2017 में आया भूकंप धरती की सतह से महज 40 किमी नीचे से उठा था। इसलिए इसने भयंकर तबाही का तांडव रचा था। तिब्बत में आए इस भूकंप की गहराई तो मात्र 10 किमी आंकी गई है।

दरअसल सतह के नीचे धरती की परत ठंडी होने व कम दबाव के कारण कमजोर पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब चट्टानें दरकती हैं तो भूकंप आता है। कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी के नीचे से भी आते हैं, लेकिन तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए बड़े रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है। पृथ्वी की सतह से 600 किमी भीतर दर्ज इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.3 मापी गई थी। इसीलिए यह मान्यता बनी है कि इतनी गहराई से चले भूकंप धरती पर तबाही मचाने में कामयाब नहीं हो सकते हैं, क्योंकि चट्टानें तरल द्रव्य के रूप में बदल जाती हैं।

प्राकृतिक आपदाएं अब व्यापक व विनाशकारी साबित हो रही हैं, क्योंकि धरती के बढ़ते तापमान के कारण वायुमंडल भी परिवर्तित हो रहा है। अमेरिका व ब्रिटेन समेत यूरोपीय देशों में दो शताब्दियों के भीतर बेतहाशा अमीरी बढ़ी है। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण इसी अमीरी की उपज है। यह कथित विकासवादी अवधारणा कुछ और नहीं, प्राकृतिक संपदा का अंधाधुंध दोहन कर, पृथ्वी को खोखला करने के ऐसे उपाय हैं, जो ब्रह्माण्ड में फैले अवयवों में असंतुलन बढ़ा रहे हैं। इस विकास के लिए पानी, गैस, खनिज, इस्पात, ईंधन और लकड़ी जरूरी हैं। नतीजतन जो कॉर्बन गैसें बेहद न्यूनतम मात्रा में बनती थीं, वे अब अधिकतम मात्रा में बनने लगी हैं। न्यूनतम मात्रा में बनी गैसों का षोशण और समायोजन भी प्राकृतिक रूप से हो जाता था, किंतु अब वनों का विनाश कर दिए जाने के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वायुमंडल में इकतरफा दबाव बढ़ रहा है। इस कारण धरती पर पड़ने वाली सूरज की गर्मी प्रत्यावर्तित होने की बजाय, धरती में ही समाने लगी है। गोया, धरती का तापमान बढ़ने लगा, जो जलवायु परिवर्तन का कारण तो बना ही, प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बन रहा है। ऐसे में सीमेंट, लोहा और कांक्रीट के भवन जब गिरते हैं, तो मानव त्रासदी ज्यादा होती है। जैसे की हमें अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में लगी आग में देखने में आ रहा है।

बेमतलबी मुद्दों की रजाई, जनता को ओढ़ाई

कटाक्ष

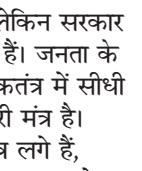

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आजकल देश में अजब -गजब मुद्दे उछाले जा रहे हैं। जिनका जनसरोकार नहीं है। लेकिन सरकार बना और गिरा सकते हैं। जनता के लिए बकवास है। लोकतंत्र में सीधी बात,नो बकवास जरुरी मंत्र है। सत्ता हो या विपक्ष सब लगे हैं, अपने -अपने मुद्दों से जनता को खींचने में। जनता रबड़ -सा खींच भी जा रही है। आखिर जनता मुद्दों की गरमी से पिघल जो जाती है। मुद्दों का टॉनिक जनता को पिलाते हैं और राजनीतिज्ञ स्वस्थ रहते हैं। वैसे इनकी तासीर गर्म है। जिससे मुद्दे ठंड में गरमी देते हैं। देश में मुद्दों की हलचल और नेताओं की निकल पड़ती है। चाहे पाला पड़े या ठाला, कभी ना आए मुद्दों का दिवाला... समझे मेरे लाला। यहाँ मुद्दों का बारहो मास खेती की जाती है। भले भूख से मौत हो जाए लेकिन देश में मुद्दों का अकाल नहीं पड़ता। मुद्दों की अनगिनत नई किस्मे आ गई हैं। जैसे- मुद्दों की चादर, मुद्दों का कंबल और मुद्दों की रजाई इत्यादि। यह फसल खूब लहलहा रही है। बेमतलब के मुद्दों की अच्छी पैदावार से सत्ता की कुर्सी पाई जा सकती है और सिंहासन से बेदखल भी किया जा सकता है। इसलिए बेमतलब मुद्दों की रजाई जनता को ओढ़ाई जाती है। भाई! जनता है सब जानती है। फिर भी अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारती है। क्योंकि क्या करे बेचारी... हर डाल पर उल्लू बैठे हैं। लोकतंत्र में सब जायज है। नाजायज बस सवाल पूछना है। बेमतलबी मुद्दों के वारिस हैं और लावारिस बस जनहित मुद्दे हैं। भ्रष्टाचार के सड़ांध से गंधाता सिस्टम अच्छा लगता है। मीडिया उनको उछालने में नई -नवेली दुल्हन -सी शर्माती है। बेमतलब के मुद्दों पर खूब डिबेट में दाँत चियारती है। एक्सपर्ट भी गजब नौटंकी में पीएचडी किए हुए बुलाते हैं। सब एक से बढ़कर एक ढपली बजाते हैं। कहाँ पर बोलना है और कहाँ पर बोल जाते हैं? जहाँ खामोश रहना है वहाँ मुँह खोल जाते हैं। असली मुद्दों पर खामोश रहते हैं। बेमतलब के मुद्दों पर सारे बोल जाते हैं।

असली मुद्दों पर डिबेट का वेट है। क्या मीडिया प्रायोजित सेट है?

जनता ठगी जाती है।बेमतलब के मुद्दों के चारा को समझ फिर भी जाल में फंस जाती है। जनता मरती रहे उचित ईलाज के अभाव में और इंसानियत खो बैठे सत्ता के प्रभाव में। बेमतलबी मुद्दों में सब व्यस्त हैं अपने राजनीतिक दाव में मस्त हैं। लोकतंत्र में बस वोट लेने आते हैं, ये मतलबी नेता हमारे घर-द्वार और जीतने के बाद आ जाता है उनमें बड़ा बदलाव। आज महज चंद रुपयों के मुआवजा में जान है। नमक रगड़ते नामुराद गरीबों के घाव में हैं। यह चुनाव भर रहते जनता की शीतल छाँव में हैं और सदन पहुँचते ही आ जाते ताव में हैं। उनकी थाली में छप्पन भोग और जनता को मिलती महंगाई भोग। उन्होंने हर बार बेमतलबी मुद्दों की रजाई जनता को ओढ़ाई। इसलिए न बढ़ पाया असली मुद्दों की चाल अढ़ाई।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रदीप मिश्र

निष्पक्ष राजनीतिक विश्लेषक

कल कर्म करने के उपरांत उन्होंने अब एक नया कार्य प्रारंभ किया है। मिलने पर बोले,' प्रवक्ता, समर्थक और वरिष्ठ पत्रकार का कार्य करके थक चुका था, इसलिए अब मैं निष्पक्ष राजनीतिक विश्लेषक बन गया हूँ। टीवी पर मेरे नाम के नीचे राजनीतिक विश्लेषक की पट्टी चलने लगी है।' मैंने पूछा,' आप किस पार्टी के निष्पक्ष राजनीतिक विश्लेषक बने हैं?' वे बोले,' मैं नेताजी की पार्टी का निष्पक्ष राजनीतिक विश्लेषक बना हूँ।'

–' फिर आप में और पार्टी प्रवक्ता में क्या फर्क हुआ?'

–' प्रवक्ता, प्रतिनिधि के और मैं निष्पक्ष विश्लेषक के रूप में, पार्टी का पक्ष रखते हैं।'

–' आप दोनों की पृष्ठभूमि वैचारिक रूप से तो एक जैसी होगी?' वे बोले,' पृष्ठभूमि तो हमारी एक जैसी है, लेकिन वैचारिकी जैसी कोई बात, हम दोनों में नहीं है।'

–' मतलब विचार जैसी कोई चीज नहीं है आप में ?'

–' संचार के संसार में सारा कुछ प्रचार होता है। यहां विचार बेचारा तो बेज़ार और लाचार होता है।'

–' बोलने के लिए कुछ तो विचार तो करना पड़ता होगा? कहते हैं कि बिना विचारे जो कहे, सो पाछे पछताए। काम बिगारे आपनो जग में होत हँसाय।'

–' ऐसा है मित्र कि विचार तो लाचार का हथियार होता है। ताकतवर, विचार की हुंकार नहीं भरते, बल्कि

विचारकों से अपने घरों में पानी भरवाते हैं।' उन्होंने विचारों की निर्थकता पर विचार व्यक्त किए।

–' आप दूसरी पार्टी के निष्पक्ष विचारक से कैसे निपटते हैं? जरूरी थोड़ी है कि वह भी विचारों से पैदल हो? फिर तो वह आप पर भारी पड़ता होगा।' मेरी बात से वे मुस्कुराए और वैचारिकी के अखाड़े में ताल ठोंकने जाते हुए बोले,' गया वो जमाना जब विचारों की लड़ाई , विचारों से होती थी। अब तो वैचारिक लड़ाई के लिए योद्धा के पास ताकतवर गला और कुछ भी बोल जाने का बेखौफ साहस होना चाहिए। गंभीर वैचारिक विमर्श के दौरान हम हाथ-पैर भी निष्पक्षतापूर्वक आजमाते हैं। ऐसे में कोई विचार और विचारक हमारे सामने कैसे टिकेगा? बताइए भला?'

दृष्टिकोण

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्राध्यापक हैं।

सामाजिकता ही मनुष्य को व्यक्तित्व प्रदान करती है

मनुष्य सामाजिक व विचारशील प्राणी है। मनुष्य का पद ही मनन और चिंतन से निकलता है। जो सोच नहीं सकता उसके होने न होने का कोई अर्थ ही नहीं बनता। जो सोचता है, विचार करता है वह मनुष्य होने का अधिकारी है । उसकी विचारशीलता और विचार यात्रा ही उसे सामाजिक व्यक्तित्व प्रदान करते हैं । अपने निज से उपर उठकर ही कोई भी व्यक्ति सही संदर्भ और सही अर्थ ग्रहण करता है । सामाजिक होने के लिए जरूरी है कि आप समाज में हों और सामाजिक भूमिका में भी हों, ऐसा नहीं हो सकता है कि समाज में रहते हुए भी आपकी कोई गतिविधि समाज के संदर्भ में न हो और आपको सामाजिक मान लिया जाये । जब कोई व्यक्ति सामाजिक अर्थ ग्रहण करता है तो वह उसके कार्य की ही पूंजी होती है । समाज में जगह ही आदमी को तब जाकर मिलती है जब वह समाज के सुख दुःख में काम आता है, लोगों के साथ चलता है । कोई भी अकेले अर्थ ग्रहण नहीं करता न ही उसके किये गये कार्य का कोई अर्थ बन पाता। आप जो कुछ करते हैं उसमें आपके साथ आपका समाज भी यदि शामिल हो जाता है तो उस कार्य का अर्थ बन जाता है । कोई भी व्यक्तित्व क्यों न हो उसे जगह तभी मिलती है जब वह निजी संदर्भों से उपर उठकर काम करता है । व्यक्ति अपनी निजी सत्ता में जो कुछ करता है उसका कोई खास अर्थ नहीं बनता पर जब उसके कार्य सामाजिक होते हैं तो वह सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में गिना जाता है । मनुष्य होने का सही संदर्भ और सही अर्थ तभी संभव होता है जब वह सामाजिक होता है। मनुष्य की सामाजिकता को विस्तार साहित्य से मिलता है । साहित्य और संस्कृति के संदर्भ निजी बातों से नहीं निकलते। बल्कि जीवन जी रहे लोगों की चिंताओं, विचार सरणियों व जीवन की उन बातों से निकलते हैं जिसका लाभ समाज को, बड़ी इकाई को मिलता है।

व्यक्ति के सामाजिक सरोकार के कार्य ही उसे आकार देते हैं। यदि आपके कार्य समाज के लिए महत्वपूर्ण है तो कोई भी कार्य क्यों न हो वह बड़ा व्यक्तित्व रचती है। उसकी सामाजिकता ही उसका जीवन होती है। जीवन - सेवा, समाज और श्रम से जुड़ा है तो फिर कैसी भी स्थितियां क्यों न हों आदमी को आधार मिल ही जाता है । ऐसे में आदमी के कार्य गतिशील मुद्रा में होते हैं, वह एक जगह पर रुका नहीं होता उसे अनंत गतियां करनी ही पड़ती है और यह सब कुछ एक सामाजिक इकाई में ही संभव हो पाता है । सामाजिक सेवा से जीवन चमकता है । आकाश की ओर देखते हुए आप आकाशगामी हो सकते हैं पर आपका व्यक्तित्व आकाश की तरह तभी होगा जब आपके भीतर विशालता हो, हृदय में इतना विस्तार हो कि अपने और पराए से उपर उठकर अन्य के हित के लिए कुछ कर सकें। जब व्यक्तित्व व्यापकता लिए विस्तारित होता है तो आदमी जो कुछ करता है उसमें उसका समष्टि भाव आ जाता है । यह भाव ही व्यक्ति को समाज की व्यापक परिधि से जोड़ता है। कोई भी क्यों न हो उसे अपनी सीमाओं को तोड़कर ही बाहर आना होता है। आप सीमा में रहते हुए जीवन का निर्माण नहीं कर सकते न ही अपनी परिधि का विस्तार कर सकते हैं। कहते हैं कि आदमी चेतना संपन्न होता है, ज्ञान संपन्न होता है और विचार संपन्न भी होता है । पर यह संपन्नता यदि निजी संदर्भों से उपर उठकर नहीं आ रही है तो ऐसी संपन्नता संकुचन की ओर ले जाती है । ऐसे मनुष्य के होने न होने का कोई खास अर्थ नहीं होता । यदि आपकी संपन्नता सामाजिक होती है तो सही मायने में जीवन की सार्थकता सामने आती है। साहित्यकार का सुख दुःख निजी होता है पर एक समय के बाद वह सामाजिक सुख दुःख को ऐसे जीता है जैसे कि उसका ही हों। लेखक यहीं पर विस्तारित होता है । जो लेखक विस्तारित नहीं हो सकता या जो अपने संसार से निकल नहीं पाता जो अपनी ही निजता में डूबा या अघाया होता है वह कुछ भी हो जाए लेखक नहीं हो सकता। लेखकीय दुनिया मूलतः संसार के साक्षात्कार से प्राणवान होती है । यह साक्षात्कार स्वयं का भी होता है और संसार का भी होता है। साहित्य की

व्यापकता ही उसे सामाजिक बनाती है। यहां विरक्ति में भी गहरी आशक्ति छिपी होती है।

सामाजिकता का अनुभव ही मनुष्य को बड़ा बनाती है। मनुष्य का अस्तित्व इस बात से परिभाषित नहीं होता है कि वह क्या कर रहा है या क्या नहीं कर पा रहा है। बल्कि उसके होने का अर्थ ही तभी फलित होता है जब वह अपनी दुनिया में निकल कर सामाजिक अस्तित्व के रूप में होता है । मनुष्य की सामाजिकता ही उसे व्यक्तित्व प्रदान करती है। जब सामाजिकता की भूमि पर मनुष्य आता है तो वह अपने सारे कार्य एक बड़े संदर्भ में करता है । उसका सुख दुःख केवल उसका नहीं होता, मनुष्य जब सामाजिक भावबोध से कार्य करता है तो उसका कोई भी कार्य केवल उसके लिए नहीं होता - उसकी परिधि से बाहर निकल कर व्यापक समाज के लिए वह कार्य करना शुरू कर देता है।

मनुष्य की विचार यात्रा में निजीपन का स्थान मूल्यपरक न होकर व्यक्तिगत आकांक्षाओं तक ही सीमित होता है । सीधी सी बात है कि जब मनुष्य अपने कार्यों से सामाजिक भाव यात्रा को हासिल करता है, जब उसके कार्य सामाजिक संरक्षण को लेकर होते हैं तो उसका अस्तित्व सही ढ़ंग से आकार लेता है। मनुष्य के सारे कार्य सामाजिक अस्तित्व के क्रम में ही संभव होते हैं । वैसे देखा जाए तो मनुष्य की निजी जरूरतें भी एक समय के बाद सामाजिक हो जाती हैं। मनुष्य जब सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में आकार लेता है तो स्वाभाविक है कि उसका अस्तित्व व्यापक रूप ले लेता है। कोई भी मानवीय सत्ता क्यों न हो वह जब सामाजिक अनुभव संसार के साथ जीवित होती है तभी वास्तव में संसार को हम सब सही ढ़ंग से सोच पाते हैं ।

मनुष्य की सामाजिकता उसके व्यक्तित्व को न केवल आकार देती है बल्कि उसके श्रम व जीवन मूल्यों को विस्तारित करने का कार्य करती है । सामाजिकता का पद व्यक्ति को ईश्वरत्व की महिमा से जोड़ते हैं - इस पद पर पहुंचने के बाद आम आदमी केवल अपने कार्य को नहीं देखता, न ही वह अपने लाभ हानि तक अपने को समेट कर चलता है , इस भाव भूमि तक पहुंचने के बाद आदमी जीवन निर्माण और व्यक्तित्व निर्माण की भूमिका में आ जाता है।

सीधी सी बात है कि मनुष्य के रूप में मनुष्य का कोई भी कार्य उसकी निजी सत्ता तक सीमित नहीं होती है । मनुष्य को अपनी सार्थकता व मूल्यवत्ता हासिल करने के लिए सामाजिक होना ही होता है । यह किसी भी समय समाज और सत्ता का प्रश्न हो सकता है कि चेतना विज्ञान के विस्तारित दौर में आदमी अपनी सत्ता व अपने आदमी को कहां तक समझ पाता है । मनुष्य की जब कार्यवाही अपने लिए और अपनों के लिए होती है तो दिन प्रतिदिन वह अपने कार्यों के साथ सामाजिक होता जाता है। मनुष्य की सम्पूर्ण सत्ता उसके सामाजिक व्यक्तित्व में आकार लेती है । सामाजिकता की मात्रा कम ज्यादा होने के साथ ही मानवीय व्यक्तित्व का व्यवहार दिखता है। मनुष्य को मनुष्य बनाने में सेवा, श्रम और सामाजिकता की भावना जब स्वाभाविक रूप से होती है तो वह मानवीय सत्ता के रूप में ही अभिव्यक्त होता है।

महाकुंभ

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ऐसा अद्भुत आयोजन संकल्प से ही संभव

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश ,राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की आचार्यों की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता। हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संतों, आचार्यों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता।

थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग करें भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत -संन्यासी -साधू -महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या हमारे धार्मिक- सांस्कृतिक- आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूर्तों, कर्मकांडों का महत्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा , किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह पर्यत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती।

2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पानी को

अधिकतम संभव शुद्ध और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर दिन रात एक किया। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड रुपए व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड रुपए का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थाई निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इन्कार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा- मोटी 3 लाख के आसपास पौधों के रोपण का आंकड़ा है। पहले भी वृक्षारोपण होते थे किंतु संख्या अत्यंत कम होती थी। ऐसे आयोजनों में स्वच्छता के अभाव में लोगों में अनेक स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिंदुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं। किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान सहज और अनुकूल होता है। सबसे बड़ी बात कि अखाड़ों ,आश्रमों आदि की परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था करना ताकि कर्मकांड संपूर्ण नियमों के साथ ही सुनिश्चित हो, मुख्य शाही स्नान ठीक मूहूर्त पर शास्त्रीय विधियो से संपन्न हों कम इसकी व्यवस्था तो पूर्व सरकारों इस तरह संभव ही नहीं थी। इसके साथ मीडिया को भारत और संपूर्ण विश्व में इसकी संपूर्ण भव्यता दिव्यता और आकषर्णकारी शक्ति को प्रसारित करने की दृष्टि से उपयोग करने की ऐसी व्यवस्था की तो संभावना भी नहीं थी। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाना जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। इसे ही कहते हैं सही समय पर मीडिया के सही उपयोग से धार्मिक आध्यात्मिक भाव- सद्भाव पैदा करना। कभी भी ऐसे आयोजनों में मीडिया और पत्रकारों के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए इसके पूर्व कोशिश नहीं हुई। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है।

धीरे-धीरे अब परंपरागत आर्थिक विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि भारत अगर विश्व की आर्थिक और आदर्श महाशक्ति बनेगा तो अध्यात्म-संस्कृत की क्षमता का उसमें सर्वाधिक योगदान होगा। मोटा - मोटी निष्कर्ष यह है कि लगभग 40 करोड़ लोग 45 दिनों में आते हैं तो दो से चार लाख तक का कारोबार हो सकता है। आयोजन के निर्माण में तैयार आधारभूत व्यवस्थाएं भविष्य में भी ऐसे स्थानों पर तीर्थ यात्रियों और आधुनिक संदर्भ में पर्यटकों को सतत् आकर्षित करने का ठोस आधार बना रहेगा। अर्थात आर्थिक व व्यावसायिक गतिविधियों का अस्थाई स्थिर चक्र कायम रहेगा। कितने लोगों को जीवन यापन यानि रोजगार ,आर्थिक समृद्धि, परिवारों में खुशहाली और संपन्नता प्राप्त होगी इसकी कल्पना करिए। दुर्भाग्य से गुलामी के काल में अपनी ही महान आध्यात्मिक शक्ति, संस्कृति, कर्मकांड आदि को पिछड़ापन, अंधविश्वास कहकर हमें उससे दूर किया गया और संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था शिक्षित लोगों के अंदर इसके प्रति वितृष्णा पैदा करती रही। सच यह है कि ऐसे आयोजन जन कल्याण, राष्ट्र, अभ्युदय और संपूर्ण विश्व ब्रह्मांड के अंदर स्वाभाविक शांति की अमूर्त अंतःशक्ति पैदा करते हैं। साधु-संतों, अखाड़ों का स्नान, यज्ञ, अनुष्ठान आदि उनकी व्यक्तिगत कामना के लिए नहीं विश्व कल्याण पर केंद्रित होता है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल , मंत्रों की ध्वनि संगीत , जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

राजनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कर्नाटक: क्या सीएम सिद्धारमैया इस्तीफा देंगे?

मूडा-प्रकरण में अदालती फर्मान और प्रवर्तन निदेशालय की भूमिका से सियासत की मुंडेर पर इन अटकलों और आशंकाओं के गझिन सब्ज़े उग आये हैं कि 76 वर्षीय सिद्धारमैया मुख्यमंत्री के तौर पर कितने दिनों के मेहमान हैं? सियासी फिजां में प्रश्न तैर रहा है कि क्या सिद्धारमैया इस्तीफा देंगे या फिर उनका हश्र हेमंत सोरेन अथवा अरविंद केजरीवाल सरीखा होगा अथवा डीके शिवकुमार या कोई अन्य दावेदार उनकी जगह लेगा? मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिये अपशुकन लगातार घट रहे हैं। उनकी मुसीबतों का अंत नहीं है। बीजेपी को दक्षिण का सिंद्धार गंवाने का इतना गहरा दुख है कि वह येनकेन प्रकारेण उसे हासिल करना चाहती है। फिलवक्त राज्यपाल और मुख्यमंत्री के रिश्ते बेहद तल्ख हैं। दरअसल, मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथार्टी (मूडा) से प्लॉटों के आवंटन में गड़बड़ी का मुद्दा शुरू ही राजभवन की सक्रियता और दिलचस्पी से हुआ।

कर्नाटक में केन्द्र सरकारी की एजेंसियों का दवाब लगातार बढ़ता जा रहा है। घटनाक्रम कुछ ऐसा है कि कर्नाटक में सत्ता के गलियारे में घड़ी टिक-टिक की आवाज लगातार तेज होती जा रही है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना के 15 जनवरी को अपने पूर्व के अंतरिम स्थगन को रद्द करने और लोकायुक्त पुलिस को मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच जारी रखने की अनुमति देने और 27 जनवरी तक न्यायालय में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के आदेश ने सूबे की सियासत के ठहरे हुए पानी में कंकड़ उछाल दिया है। मूडा-प्रकरण में अदालती फर्मान और प्रवर्तन निदेशालय की भूमिका से सियासत की मुंडेर पर इन अटकलों और आशंकाओं के गझिन सब्ज़े उग आये हैं कि 76 वर्षीय सिद्धारमैया मुख्यमंत्री के तौर पर कितने दिनों के मेहमान हैं? सियासी फिजां में प्रश्न तैर रहा है कि क्या सिद्धारमैया इस्तीफा देंगे या फिर उनका हश्र हेमंत सोरेन अथवा अरविंद केजरीवाल सरीखा होगा अथवा डीके शिवकुमार या कोई अन्य दावेदार उनकी जगह लेगा? मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिये अपशुकन लगातार घट रहे हैं। उनकी मुसीबतों का अंत नहीं है। बीजेपी को दक्षिण का सिंद्धार गंवाने का इतना गहरा दुख है कि वह येनकेन प्रकारेण उसे हासिल करना चाहती है। फिलवक्त राज्यपाल और मुख्यमंत्री के रिश्ते बेहद तल्ख हैं। दरअसल, मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथार्टी (मूडा) से प्लॉटों के आवंटन में गड़बड़ी का मुद्दा शुरू ही राजभवन की सक्रियता और दिलचस्पी से हुआ। राज्यपाल गहलोत ने शिकायत पर अतिरिक्त तत्परता दिखाई। फलतः 3.1 एकड़ ज़मीन के बदले सीएम की पत्नी श्रीमती पार्वती को 14 बेशकीमती प्लाटों के आवंटन ने तूल पकड़ लिया। सिद्धारमैया का दुर्भाग्य कि उन्हें कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्यपाल की मुकदमे की स्वीकृति बहाल रखी। घड़ी के कांटे इस कदर तेजी से घूमे कि एक अक्टूबर को सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती ने मूडा को उन्हें आवंटित सभी प्लॉटों का आवंटन रद्द करने का पत्र लिख डाला इस पर मूडा के आयुक्त एएन रघुनंदन ने उप पंजीयक को बिक्रीनामा रद्द करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से भूखंड लौटाने की स्थिति में प्राधिकरण द्वारा आवंटित स्थलों को अविलंब वापस लेने का प्रावधान है। रघुनंदन ने यह दायित्व मूडा के सचिव प्रसन्न कुमार को सौंपा, जिन्होंने तत्परता बरती और कहा कि इससे मूडा को वित्तीय लाभ होगा। इस मामले में जब पत्रकारों ने प्रश्न किये तो सिद्धारमैया ने कहा कि वह इस

मुद्दे पर लंबी लड़ाई लड़ना चाहते थे, किन्तु गहरे तनाव के चलते उनकी पत्नी ने प्लॉट लौटाने का फैसला किया। उन्होंने राजनीतिक लड़ाई का सामना अदालती लड़ाई से करने का निश्चय अदालती फैसले के बाद भी व्यक्त किया था। गौरतलब है कि लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले में अपने इस्तेगासे में सिद्धारमैया के अलावा उनकी पत्नी पार्वती, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी और भूखंड-विक्रेता देवराजू को आरोपी बनाया है। इसके बाद सिद्ध के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज हुई।

मूडा प्रकरण को मुद्दा बनाकर बीजेपी जहां लगातार सिद्धारमैया से इस्तीफे की मांग कर रही है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और जद (स) नेता कुमारस्वामी भी मुखर हो गये हैं। उन्होंने भूखंड वापसी को अदालत की अवमानना बताते हुए मूडा के आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस बीच विपक्ष ने सीएम के एमएलसी बेटे यतिन्द्र को भी आरोपों की जद में ले लिया है, जो मूडा के सदस्य रह चुके हैं। इस बीच एक अक्टूबर को तीन मंत्रियों- सतीश जर्किहोली, एचसी महादेवप्पा और जी. परमेश्वर की देर रात की लंबी बैठक ने नये कयासों को जनम दिया है। जर्किहोली तो दिल्ली जाकर खरगे से भी मिले। यह बात सिद्धारमैया भी जानते हैं कि मुख्यमंत्री पद के अनार के लिये पार्टी में बीमारों की कमी नहीं है और चुनावी हार से हाथ मलने को मजबूर बीजेपी किसी भी हद तक जा सकती है। इस बीच मैसूर में चामुंडी हिल्स में दशहरा पर्व के शुभारंभ अवसर पर चामुंडेश्वरी के जद (एस) एमएलए जीटी देवेगौड़ा ने मंच पर सिद्धारमैया की मौजूदगी में कहा था कि एफआईआर दाखिल होने पर त्यागपत्र का कोई औचित्य नहीं है। क्या वे सभी इस्तीफा देंगे, जिनके खिलाफ इस्तेगासा है। ऐसे में तो नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक भी चपेट में आ जायेंगे। क्या केन्द्रीय मंत्री कुमारस्वामी मांग उठने पर इस्तीफा देंगे? जांच का अर्थ इस्तीफा या जेल नहीं होता। 136 विधायकों के साथ सत्ता में आये सिद्धरमैया से न तो कोई और न ही गवर्नर ने इस्तीफे को कहा है। प्रत्युत्तर में सिद्धारमैया ने कहा कि वह सत्य के साथ खड़े हैं। कांग्रेस को पांच साल के लिये जनादेश मिला है और वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। लगे हाथों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने भी कहा कि देवी चामुंडेश्वरी के आशीर्वाद से सिद्धरामैया बेदाग निकलेंगे और पांच पूरे करेंगे। दिलचस्प बात है कि एजेंसियों की कारगुजारियों से सिद्धारमैया कतई भयभीत नहीं है और उन्होंने प्रधानमंत्री को खुला खत लिखकर उन्हें आड़े हाथों लिया है।

॥ मंदिरम् ॥ 15

श्री सालासर बालाजी धाम मंदिर

भगवान हनुमान के भक्तों के लिए एक हिंदू धार्मिक स्थल है। यह सालासर (सुजानगढ़ के पास), चुरू, राजस्थान, भारत में स्थित है। राजस्थान के चुरू जिले में स्थित सालासर 'धाम' जयपुर-बीकानेर राजमार्ग पर एक धार्मिक स्थल है। सालासर मंदिर में हनुमान मूर्ति को 'स्वयंभू' (स्वयं निर्मित) माना जाता है और यह एक प्रमुख 'शक्तिस्थल' (शक्तिस्थल) है। सालासर बालाजी रानी सती दादीजी मंदिर (झुंझुनू), खाटू श्यामजी (खाटू) और सालासर बालाजी के धार्मिक क्षेत्र में स्थित है। यह वह स्थान है जहाँ भगवान हनुमानजी की पूजा एक अलग रूप या मूर्ति में की जाती है, जो कि हम जिस रूप या मूर्ति से परिचित हैं, उससे अलग है। हनुमान जी या बालाजी की पूजा यहाँ एक मानव चेहरे वाली मूर्ति के रूप में की जाती है। यह एक ऐसा स्थान है जो सदियों से राजस्थान, पश्चिमी भारत और पूर्वी पाकिस्तान (पूर्व में भारत) के विभिन्न हिस्सों से आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए सिद्ध हुआ है।

तेज हवाओं ने म.प्र. को कंपकंपाया

दतिया में सर्दी से दो बुजुर्गों को ब्रेन हेमरेज, मौत

भोपाल-इंदौर में कोहरा, ग्वालियर-चंबल में बादल,19 जनवरी से और बढ़ेगी ठंड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सर्दी की वजह से दो बुजुर्गों की मौत हो गई। दतिया में गुरुवार रात ठंड लगने से दोनों मरीजों को ब्रेन हेमरेज हो गया। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक मरीज को गंभीर हालत के चलते ग्वालियर रेफर किया गया लेकिन उपचार के दौरान वहां उनकी भी मौत हो गई।

आरएमओ डॉ. डीएस तोमर ने बताया कि दोनों बुजुर्ग पहले से शुगर और ब्लड प्रेशर के मरीज थे। उधर ग्वालियर में घने कोहरे की वजह से दो सड़क हादसे हो गए। एक मामले में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे में कार डिवाइडर से टकराने के बाद उसमें आग लग गई। भोपाल में सुबह से कोहरा छाया रहा। शाजापुर में लोग गाड़ियों की हेडलाइड जलाकर बाहर निकले।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट 18 घंटे लेट हुई- इंदौर एयरपोर्ट पर कोलकाता से आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट 18 घंटे लेट हो गई। गुरुवार रात आने वाली फ्लाइट यहां शुक्रवार को आ सकी। इंदौर में कोहरा होने की वजह से उसे अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया था। बताया गया इससे नाराज यात्रियों ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हंगामा किया। वहीं रात को इंदौर आने वाली यह फ्लाइट कैंसल हो जाने से यात्रियों ने हंगामा किया।

अधिकतर जिलों में छाया रहा कोहरा- भोपाल, इंदौर समेत अधिकतर जिलों में शुक्रवार सुबह कोहरा छाया रहा। ग्वालियर-चंबल में बादल बने रहे। शाजापुर-सागर में तापमान में गिरावट आने से सर्दी बढ़ गई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी की वजह से गुरुवार को श्योपुर, मुरैना में बारिश हुई जबकि भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश के कई शहरों में बादल छाए रहे।

ग्वालियर-चंबल में अगले 2 दिन कोहरा- मौसम विभाग के मुताबिक, ग्वालियर-चंबल में अगले 2 दिन कोहरा रहेगा जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन में बादल छाए रहेंगे। 19-20 जनवरी से ठंड का असर फिर बढ़ेगा। इस बार जनवरी के आखिरी सप्ताह में भी तेज ठंड पड़ने का अनुमान है।

एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा- मौसम विभाग ने 18 जनवरी से अगले वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने की संभावना जताई है। यह उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित करेगा। इसका असर हिमालय की तरफ भी रहेगा। जिससे बर्फीली हवा की रफ्तार बढ़ जाएगी।

नौगांव में दिन का पारा 15.5 डिग्री

मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड रही। कई शहरों में दिन का तापमान 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। छतरपुर का नौगांव सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खजुराहो में 16 डिग्री, शिवपुरी में 17 डिग्री, टीकमगढ़ में 17.5 डिग्री, रतलाम में 19.5 डिग्री, गुना में 19.6 डिग्री, रायसेन-सतना में 21.2 डिग्री, धार-रीवा में 21.4 डिग्री, सीधी में 22.2 डिग्री, नरसिंहपुर में 23.2 डिग्री, मलाजखंड में 23.5 डिग्री और सागर में 23.8 डिग्री तापमान रहा।

बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 18.6 डिग्री पहुंच गया। भोपाल में 23.4 डिग्री, इंदौर में 22.6 डिग्री, उज्जैन में 20.4 डिग्री और जबलपुर में तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार सुबह प्रदेश के ग्वालियर, चंबल समेत कई संभाग में कोहरा रहा। मुरैना, श्योपुर में बारिश भी हुई। हालांकि, रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है। कई शहरों में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

भोपाल में 0.6 डिग्री पहुंच चुका टेम्प्रेचर- भोपाल में जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है। दिन में गर्मी का एहसास और बारिश का ट्रेंड भी है। 18 जनवरी 1935 को रात का टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा था। वहीं, 26 जनवरी 2009 को दिन में तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया था। यहां पिछले 10 में से 7 साल बारिश हो चुकी है। 24 घंटे में सबसे ज्यादा 2 इंच बारिश 6 जनवरी 2004 को हुई थी। वहीं, सर्वाधिक मासिक 3.8 इंच बारिश जनवरी 1948 को हुई थी।

इंदौर में माइनस 1.1 डिग्री पहुंच चुका पारा- इंदौर में जनवरी में सर्दी का रिकॉर्ड माइनस में पहुंच चुका है। 16 जनवरी 1935 को पारा माइनस 1.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, 27 जनवरी 1990 को दिन का तापमान 33.9 डिग्री रहा था। 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश होने का रिकॉर्ड 6 जनवरी 1920 के नाम है। इस दिन 3 इंच से ज्यादा पानी गिरा था। वहीं, वर्ष 1920 में सर्वाधिक मासिक बारिश 4 इंच दर्ज की गई थी।

भोपाल में पार्वती नदी का 49 साल पुराना पुल धंसा

जांच के लिए 15 इंजीनियरों की टीम पहुंची ; वैकल्पिक रास्ते के लिए काम शुरू

भोपाल (नप्र)। भोपाल और राजगढ़ जिले की सीमा पर पार्वती नदी पर बना 49 साल पुराना पुल गुरुवार रात धंस गया। इसके बाद पुल पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अब भारी वाहन भोपाल होकर करीब 50 किलोमीटर का चक्कर लगाकर जा रहे हैं।

पार्वती ब्रिज को देखने के लिए की 15 इंजीनियरों की टीम ने जांच की। अब वैकल्पिक रास्ते की तलाश की जा रही है। फिलहाल, पार्वती ब्रिज पर रास्ता रोक दिया गया है।

बता दें यह पुल बैरसिया-नरसिंहगढ़ रोड पर है और 1976 में बनाया गया था। पुल बंद होने से यातायात पर असर पड़ा है।

पुल धंसने की जानकारी मिलने पर बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा गुरुवार रात 9 बजे मौके पर पहुंचे और जांच की। इस दौरान दोनों ओर से बेरिकेडिंग की गई। पुल गुरुवार रात धंस गया। इसके बाद वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

वाहनों को दूसरे रास्ते पर डायवर्ट किया गया है। नरसिंहगढ़ पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने भी पुल का जायजा लिया। पुल के दोनों ओर पुलिस तैनात है। एमपीआरडीसी के एक्सपर्ट शुक्रवार को जांच की। यह पुल 49 साल पुराना बताया जा रहा है, जिसकी 2 साल पहले भी मरम्मत की गई थी।

एसडीएम ने एमपीआरडीसी को लिखा लेटर- एसडीएम शर्मा ने एमपीआरडीसी (मप्र सड़क विकास निगम, भोपाल के संभागीय प्रबंधक) को लेटर भी लिखा था। लेटर में लिखा कि पार्वती पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल से आवाजाही के कारण जान-माल के नुकसान की आशंका है। प्रारंभिक रूप से इस ब्रिज के पिलर के नीचे बड़ा गड्ढा हो गया है। इसलिए जरूरी है कि नरसिंहगढ़-बैरसिया आने-जाने वाले वाहनों की आवाजाही पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाए।

आज से सभी वाहनों की आवाजाही होगी बंद- शुक्रवार एमपीआरडीसी की टीम मौके पर पहुंची और जांच की, ब्रिज को कितना नुकसान हुआ है। अब ऑप्शनल रास्तों की भी व्यवस्था की जाएगी।

नरसिंहगढ़ से कुरावर होकर भोपाल जा सकेंगे- नरसिंहगढ़ के एसडीओपी भूपेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मंगलगढ़ और बरायठा के बीच में पार्वती नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। नरसिंहगढ़ से नजीराबाद जाने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल न करें। नरसिंहगढ़ से देवगढ़, कुरावर होते हुए भोपाल की तरफ की यात्रा करें।

इसी प्रकार नजीराबाद से नरसिंहगढ़ आने वालों को भी उस तरफ से रोका गया है। पुल की दो साल पहले की मरम्मत की गई थी। इसके पिलर में क्रैंक आने से यह धंस गया। इस दौरान दोनों ओर से करीब 50 किमी का फेरा ज्यादा लगेगा। पुल के दोनों ओर बेरिकेडिंग कर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। रात में जिला प्रशासन और पुलिस अफसर भी मौके पर पहुंचे थे।

दो साल पहले की गई थी मरम्मत- पार्वती नदी पर बना ये पुल राजगढ़ और भोपाल जिले की सीमा पर है। यह नरसिंहगढ़ को नजीराबाद, बैरसिया, विदिशा और भोपाल से जोड़ता है। इसकी दो साल पहले ही मरम्मत की थी। पुल के एक तरफ बैरसिया और दूसरी तरफ नरसिंहगढ़ तहसील है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से नई दिल्ली के रेल भवन में सौजन्य भेंट की।

स्कूल में पढ़ा रहे टीचर को कुल्हाड़ी मारी

धार में बच्चों के सामने आरोपी ने किया हमला ; लहूलुहान हालत में सड़क की ओर भागे

मनावर (धार)(नप्र)। धार में एक शख्स ने स्कूल में घुसकर टीचर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपी ने क्लास में बच्चों के सामने ही उन पर चार से पांच वार किए। वहां मौजूद गेस्ट टीचर ने बचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया और फरार हो गया।

हमले में बुरी तरह घायल टीचर लहूलुहान हालत में सड़क की ओर भागे। एक ग्रामीण ने उनकी मदद की और उन्हें बाइक से गंधवानी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। परिजन हालत गंभीर होने पर उन्हें धार के निजी अस्पताल ले गए। जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। उनके बाएं हाथ, घुटने, कंधे और सिर में गंभीर चोट आई है।

घटना गुरुवार शाम करीब 4 बजे की है। चुनड़ीपुरा गांव में टीचर रमेश भंवर (47) क्लास में बच्चों को पढ़ा रहे थे। उसी दौरान अचानक उन पर हमला हो गया। गंधवानी थाना प्रभारी अनिल जाधव ने बताया कि आरोपी का नाम संजय मौर्य है। पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया है।

स्कूल की जमीन को लेकर है विवाद- घायल शिक्षक के परिजन अजय भाबर के अनुसार, हमले का कारण स्कूल की जमीन का विवाद है। आरोपी का दावा है कि सरकारी स्कूल उसकी जमीन पर बना है। वह इसे हटवाना चाहता था। आरोपी संजय के दादा गुल सिंह ने भी 23 दिसंबर को शिक्षक रमेश भंवर को बात करने के लिए घर बुलाया था। वहां धमकी दी थी कि मेरी जमीन से स्कूल हटा लेना, नहीं तो तुझे जान से मार दूंगा। शिक्षक ने इसकी सूचना संकुल प्रभारी को भी दी थी, पर शिक्षा विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी का दावा है कि उसकी जमीन पर स्कूल बना है।

भोपाल में चार घंटे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

आरजीपीवी के कुलपति को सौंपा ज्ञापन, कहा- छात्रों से पैसे मांगते हैं कर्मचारी

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन चार घंटे तक चला, जिसमें छात्रों की समस्याओं और प्रशासन की लापरवाहियों को लेकर सख्त मांगें उठाई गईं।

अभाविप ने पहले भी विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण में हुई अनियमितताओं पर सवाल उठाते हुए पांच दिनों के भीतर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन, प्रशासन की ओर से अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। परिषद ने सोमवार तक दोषियों पर कार्रवाई न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

सख्त कानून बनाने की मांग

ज्ञापन में बताया कि कुछ कर्मचारी छात्रों से अवैध रूप से पैसे मांगते हैं। उनसे दुर्व्यवहार करते हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए सख्त प्रावधान लागू किया जाना चाहिए। अगर विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ जारी रहा, तो अभाविप इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

प्रयागराज व सूरत के लिए फ्लाइट की मांग

भोपाल/ शुक्रवार को राजाभोज अंतरराष्ट्रीय विमानतल की सलाहकार समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता सांसद आलोक शर्मा ने की। बैठक में सलाहकार समिति के सदस्यों ने यात्री सुविधाओं और कनेक्टिविटी बढ़ाने को लेकर अपने सुझाव दिए। समिति के सदस्य मनोज मीक ने कहा कि प्रयागराज में चल रहे कुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी ज्यादा है। ट्रेनों में भी रिजर्वेशन मिलना मुश्किल होता है। भोपाल से प्रयागराज के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू होना चाहिए। सुनील जैन ने कहा कि सूरत में डायमंड और कपड़ों की बड़ी इंडस्ट्री है। भोपाल से सूरत जाने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। भोपाल से सूरत के लिए भी नई उड़ान सेवा शुरू की जाना चाहिए। कृष्ण मोहन सोनी ने इंफ्रास्ट्रक्चर, अब्दुल ताहिर ने एयरपोर्ट के बाहर अतिक्रमण हटाने और लैंडस्केपिंग के माध्यम से विकसित किए जाने का सुझाव दिया। चंपा केसवानी ने भी सुझाव दिए।

करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ और उसके दोस्त की तलाश

शरद की अविरल कंस्ट्रक्शन की जांच में होंगे खुलासे, गोल्ड डिजाइन को लेकर ज्वेलर्स से पूछताछ जारी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मेंडोरी में 19, 20 दिसम्बर 2024 की रात इनोवा कार से आयकर विभाग ने 52 किलो गोल्ड और कैश बरामद किया था। इस मामले में आयकर विभाग आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी शरद जायसवाल की तलाश है। उसे आयकर ने समन भेजा था लेकिन वो बयान देने के लिए नहीं आया।

ऐसे में उसकी भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। शरद आयकर के साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भी जांच के दायरे में है। सौरभ के सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद की कम्पनी अविरल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड से विभाग को बड़े खुलासे की उम्मीद है।

हालांकि सौरभ के सामने आने के बाद ही यह क्लियर होगा कि वह सोना कहां से लाता था। टीम यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह गोल्ड किस देश या शहर से बुलाया था। आयकर विभाग ने बरामद बिस्किट की डिजाइन के आधार पर कई ज्वेलर्स से पूछताछ की है। लेकिन टीम को कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है। विभाग अब सौरभ शर्मा के मूवमेंट का इंतजार कर रहा है ताकि वह कहीं आए-जाए तो उसकी जानकारी मिले और उसका बयान लिया जाए।

सौरभ शर्मा मामले में ईडी की रेड, भोपाल में नवोदय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. श्याम अग्रवाल, ग्वालियर में पूर्व रजिस्ट्रार के यहां सर्चिंग

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अलग-अलग टीमों ने आज सुबह भोपाल और ग्वालियर में 8 जगह छापे मारे हैं। कार्रवाई पूर्व सीनियर सब रजिस्ट्रार केके अरोरा के ठिकानों पर की गई है। भोपाल में इंद्रपुरी स्थित नवोदय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. श्याम अग्रवाल के ठिकानों समेत 4 जगह जबकि ग्वालियर में मुरार स्थित सीपी कॉलोनी समेत 4 जगहों पर छापे मारे गए हैं। अरोरा आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से जुड़े बताए जा रहे हैं। ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे अरोरा के सभी ठिकानों पर पहुंची। फिलहाल, अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं।

पूर्व सीनियर सब रजिस्ट्रार अरोरा, विनय हासवानी के बिजनेस पार्टनर हैं। भोपाल के मेंडोरी स्थित विनय हासवानी के फार्म हाउस से ही 54 किलो गोल्ड और 11 करोड़ कैश से लदी कार मिली थी। वह आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के मौसा, पूर्व डीएसपी मुनीश राजोरिया का दामाद है।

भोपाल में डॉ. अग्रवाल के घर, अस्पतालों पर रेड- भोपाल में डॉ. श्याम अग्रवाल के इंद्रपुरी बी सेक्टर स्थित घर पर ईडी पहुंची है। इंद्रपुरी में ही नवोदय कैंसर हॉस्पिटल और एमपी नगर स्थित उनके दूसरे अस्पताल में टीम जांच कर रही है। ईडी को जांच के दौरान भारी मात्रा में निवेश से जुड़े दस्तावेज और कैश मिलने का अनुमान है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है। डॉ. श्याम अग्रवाल के इंद्रपुरी बी सेक्टर स्थित नवोदय कैंसर हॉस्पिटल में ईडी की टीम पहुंची है।

ग्वालियर में किरायेदारों से पूछताछ- पड़ोसियों के मुताबिक, केके अरोरा और उनकी पत्नी 25 दिन पहले ही घर से चले गए थे। वे बेंगलुरु में हैं। उनके घर में दो किरायेदार रहते हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। ईडी की टीम ने छापेमारी के वक्त किरायेदारों को घर के अंदर लॉक कर दिया था। उनके बच्चों को भी स्कूल नहीं जाने दिया गया।

पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा ने सरकार को लिखा पत्र-अपने और परिवार के लिए मांगी सुरक्षा

आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा ने सरकार को पत्र लिखकर सुरक्षा मांगी है। खुद के अलावा पत्नी और बच्चों को सुरक्षा देने की मांग की है। सौरभ ने अपने पत्र में लिखा है कि उसे, उसकी पत्नी, मां और बच्चों को जान की सुरक्षा की गारंटी मिले तो जांच एजेंसियों के सामने आकर बड़ा खुलासा करूंगा। सौरभ शर्मा के वकील सूर्यकांत बुझाड़े ने बताया- बरामद सोना और अकूत संपत्ति अकेले सौरभ की नहीं है। यह पुराना सिंडीकेट है, सौरभ इसका केवल एक छोटा सा अंग है। बरामद रकम और सोना सब कुछ ब्यूरोक्रेट्स और राजनेताओं का है। वकील सूर्यकांत बुझाड़े ने बताया कि सौरभ शर्मा बड़ा खुलासा करने के लिए तैयार है।

वकील बोले सौरभ इजी टारगेट- सूर्यकांत बुझाड़े ने बताया कि जांच एजेंसियों के लिए सौरभ इजी टारगेट था, इसलिए सब उन पर डाल दिया गया है। सरकार अगर जान की सुरक्षा की गारंटी दे तो सौरभ सामने आने को तैयार है। सौरभ की जान को किससे खतरा के सवाल पर वकील का जवाब लोकायुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करे कि उससे सौरभ को जान का खतरा नहीं बल्कि वो सुरक्षा मुहैया करवाएगी।

जांच एजेंसियों ने माइंड सेटअप ही बना लिया कि आरोपी सौरभ है। जबकि इसमें राजनीतिक और ब्यूरोक्रेट्स जुड़े हैं। पकड़ा गया सोना, कैश, अकूत संपत्ति सब उन्हीं का है, यह पुराना सिंडीकेट है, यह 7 साल के कॉन्स्टेबल का अपराध नहीं है। एक बार सौरभ को सुरक्षा की गारंटी के साथ सामने आने दिया गया तो बड़ा खुलासा करने को तैयार हैं।

ब्रह्मा बाबा की 56वीं पुण्य तिथि आज

नारी शिव की शक्ति है, वह नरक का द्वार नहीं सिर का ताज है

बी.के.रामकुमार

आबू रोड, राजस्थान। नारी शक्ति का विश्व का सबसे बड़ा और विशाल संगठन की नींव रखने वाले ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 18 जनवरी को 56वीं पुण्य तिथि मनाई जाएगी। इसे लेकर संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू सहित विश्व के 8000 से भी अधिक सेवाकेंद्रो को विशेष फूलों से सजाया गया है। ब्रह्मा बाबा की याद में 1 जनवरी से सभी स्थानों में विशेष योग-तपस्या जारी है। वहीं पुण्य तिथि पर इस बार माउंट आबू मुख्यालय में पंजाब से 20000 हजार से अधिक लोग पहुंचे हैं। जो कल मौन योग साधना से बाबा को अपनी पुष्पांजली अर्पित करेंगे।

बता दें कि 18 जनवरी 1969 को 93 वर्ष की आयु में ब्रह्माकुमारीज़ के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा संपूर्णता की स्थिति को प्राप्त कर अव्यक्त हो गए थे। उन्होंने खुद पीछे रहकर नारी शक्ति को आगे बढ़ाया और आज पूरे विश्व में नारी शक्ति भारतीय संस्कृति और आध्यात्म का परचम फहरा रहीं है। उनके अव्यक्त होने के बाद संस्थान की बागडोर पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी ने संभाली।

नारी शिव की शक्ति है, वह नरक का द्वार नहीं सिर का ताज है, नारी अबला नहीं सबला है, वह तो शक्ति स्वरूपा है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और नारी के उत्थान के संकल्प के साथ उसे समाज में खोया सम्मान दिलाने, भारत माता, वंदे मातरम् की गाथा को सही अर्थों में चरितार्थ करने वर्ष 1937 में, हीरे-जवाहरात के प्रसिद्ध व्यापारी दादा लेखराज कृपलानी ने परिवर्तन की नींव रखी। नारी उत्थान को लेकर उनका दृढ़ संकल्प ही था जो उन्होंने अपनी सारी जमीन-जायजाद बेचकर एक ट्रस्ट बनाया और उसमें संचालन की जिम्मेदारी नारियों को सौंप दी। इतने बड़े त्याग के बाद भी खुद को कभी आगे नहीं रखा। 'लोगों में परिवारवाद का संदेश न जाए इसलिए बेटी तक को संचालन समिति में नहीं रखा।' उन्होंने अपने जीवन में जो मिसाल पेश की उसे आज भी लाखों लोग अनुसरण करते हुए राजयोग के पथ पर आगे बढ़ते जा रहे हैं। संस्थान की मुख्य शिक्षा और नारा है- स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन और समाज में नैतिक मूल्यों की पुर्नस्थापना।

60 वर्ष की उम्र में रखी बदलाव की नींव-

15 दिसंबर 1876 में जन्मे दादा लेखराज (ब्रह्मा बाबा) बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और ईमानदार थे। उन्हों परमात्म मिलन की इतनी लगन थी कि अपने जीवन काल में 12 गुरु बनाए थे। वह कहते थे कि गुरु का बुलावा मतलब काल का बुलावा। 60 वर्ष की आयु में वर्ष 1936 में आपको पुरानी दुनिया के महाविनाश और आनेवाली नई सतयुगी सृष्टि का साक्षात्कार हुआ। इसके बाद आपने परमात्मा शिव के निर्देशन अनुसार अपनी सारी चल-अचल संपत्ति को बेचकर माताओं-बहनों के नाम एक ट्रस्ट बनाया, उस समय संस्थान का नाम ओम मंडली था। वर्ष 1950 में संस्थान के माउंट आबू स्थानांतरण के बाद इसका नाम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय पड़ा। आपने इसकी प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती को नियुक्त किया था।

ब्रह्मा बाबा ने माताओं-बहनों को संस्थान के संचालन की जिम्मेदारी सौंपकर खुद कभी पैसों को हाथ नहीं लगाया। यहां तक कि उनमें इतना निर्माण भाव था कि खुद के लिए भी कभी पैसे की जरूरत पड़ती तो निमित बहनों से मांगते थे। बाबा कहते थे कि नारी ही एक दिन दुनिया के उद्धार और सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

'ब्रह्माकुमारी संस्थान नारी शक्ति द्वारा संचालित विश्व का सबसे बड़ा और एकमात्र संगठन है।' यहां मुख्य प्रशासिका से लेकर प्रमुख पदों पर महिलाएं ही हैं। नारी सशक्तिकरण का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है कि यहां के भोजनालय में भाई भोजन बनाते हैं। संगठन की सारी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बहनें संभालती हैं और भाई उनके सहयोगी के रूप में साथ निभाते हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी ने भी इस संगठन की सफलता और विशालता को देखते हुए कहा था कि यहां नारी शक्ति ने यह साबित कर दिखाया है कि यदि नारी को मौका मिले तो वह पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती है। संस्थान के विश्व में 140 देशों में आठ हजार से अधिक सेवाकेंद्र संचालित हैं। साथ ही 46 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें पूर्णकालिक समर्पित रूप से तन-मन-धन के साथ अपनी सेवाएं दे रही हैं। 20 लाख से अधिक लोग इसके नियमित विद्यार्थी हैं जो संस्थान के नियमित सत्संग मुरली क्लास को अटेंड करते हैं। साथ ही दो लाख से अधिक ऐसे युवा जुड़े हुए हैं जो बालब्रह्मचारी रहकर संस्थान से जुड़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लाखों लोगों ने व्यसनों को छोड़कर सात्विक जीवन शैली अपनाई है । समाज के सभी वर्गों तक इसका लाभ पहुंचाने हेतु संस्था के एक सहयोगी निकाय राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई जिसके अंतर्गत 20 विभिन्न प्रभाग जैसे राजनीति, प्रशासनिक, चिकित्सा, ग्रामीण, महिला, शिक्षा, युवा इत्यादि का विकास किया गया जिसके द्वारा समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास जारी है । संस्थान के भोपाल स्थित सुख शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर नीलबड़ एवं अन्य सभी सेवा केंद्रों पर 18 जनवरी को विशेष विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

127 करोड़ की लागत से बने छात्रावास परिसर का उद्घाटन

भोपाल। देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) एवं 127 करोड़ की लागत से बने छात्रावास परिसर का उद्घाटन भारत सरकार मे केंद्रीय सामाजिक न्याय

एवं अधिकारिता मंत्री डा.वीरेंद्र कुमार भोपाल लोकसभा सांसद आलोक शर्मा जी ने किया।

सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा स्वस्थ भारत' के बिना 'समर्थ भारत' का निर्माण संभव नहीं है। इसलिए, हर नागरिक का उत्तम स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में मिशन मोड में काम हो रहा है, इस सौगात के माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार। इस अवसर पर म. प्र. शासन में राजस्व विभाग मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक गोपाल इंजीनियर, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र सिंह मेवाड़ा, श्री सीताराम यादव, श्री राजकुमार गुप्ता, श्री सन्नी महाजन, श्रीमती ललिता दांगी, संयुक्त सचिव श्री राजीव शर्मा, निदेशक डॉ. अखिलेश कुमार शुक्ल उपस्थित रहे।इस अवसर पर दिव्यांगजनो को ट्राइसाइकिल एवं अन्य उपकरण वितरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पैरालम्पिक खिलाड़ी रूबीना और कपिल को अर्जुन अवॉर्ड 2024 से सम्मानित होने पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के पैरा शूटर खिलाड़ी रुबीना फ्रांसिस एवं जूडो खिलाड़ी कपिल परमार को देश के प्रतिष्ठित 'अर्जुन अवॉर्ड 2024' से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई दी है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली में जबलपुर की पैरालंपिक खिलाड़ी रूबीना फ्रांसिस और सीहोर के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से प्रदेश और देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से प्रदेश के खिलाड़ियों को इसी तरह प्रदर्शन तथा प्रतिभा से नए कीर्तिमान स्थापित करने की प्रार्थना की है।

एम्स भोपाल में गंभीर तीव्र कुपोषण प्रबंधन पर

चिकित्सा अधिकारियों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, मध्य प्रदेश के मेडिकल अधिकारियों की कौशल बढ़ाने के उद्देश्य से गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) के प्रबंधन पर एम्स भोपाल में दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 16 और 17 जनवरी 2025 को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राज्य भर से दो बैचों में 40-40 मेडिकल अधिकारी शामिल हैं। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. सिंह ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह संवेदीकरण कार्यक्रम जन्म से ही गंभीर तीव्र कुपोषण को रोकने में मदद करेगा और हमारे मेडिकल अधिकारियों को कुपोषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करेगा।

तकनीकी सत्रों का नेतृत्व बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिनमें डॉ. भावना ढींगरा, बाल रोग विभाग की प्रोफेसर, और डॉ. प्रिया गोगिया, बाल रोग विभाग की सहायक प्रोफेसर शामिल थीं। उनके सत्रों में महत्वपूर्ण प्रबंधन प्रोटोकॉल, प्रोटोकॉल-आधारित उपचार रणनीतियों और पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में भर्ती एसएएम बच्चों के लिए आवश्यकता-आधारित रेफरल प्रक्रिया पर अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों, मध्य प्रदेश में एसएएम की वर्तमान स्थिति और राज्य में एसएएम प्रबंधन कार्यक्रमों के परिचालन ढांचे का अवलोकन प्रस्तुत किया।

ऑर्मी मैराथन 19 जनवरी को भोपाल में

मंत्री श्री सारंग ने की आमजन से सहभागिता की अपील

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भोपालवासियों से 19 जनवरी को आयोजित होने वाली ऑर्मी मैराथन में बड़ी संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है। इस मैराथन का उद्देश्य फिटनेस, एकता और देशभक्ति को प्रोत्साहित करना है। 'फिट इंडिया, रन विद इंडियन ऑर्मी' के आदर्श वाक्य के साथ यह आयोजन हर उम्र और वर्ग के लोगों को शारीरिक स्वास्थ्य और देशप्रेम के प्रति प्रेरित करेगा। मंत्री श्री सारंग ने विशेष रूप से युवाओं और परिवारों को इस आयोजन में बढ़-चढ़कर शामिल होने का आग्रह किया है।

मैराथन में तीन श्रेणियाँ रखी गई हैं, जिसमें 21 किलोमीटर (हॉफ मैराथन), 10 किलोमीटर, और 5 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। इन श्रेणियों के लिए क्रमशः 600, 500 और 400 रुपये का रजिस्ट्रेशन शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रतिभागियों को टी-शर्ट और भागीदारी प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए पर आवेदन किया जा सकता है, और अधिक जानकारी के लिए 62690-33347 पर संपर्क किया जा सकता है।

यह मैराथन भोपाल के द्रौणांचल से शुरू होकर वीआईपी रोड होते हुए द्रौणांचल पर ही समाप्त होगी। सुबह 6 बजे प्रारंभ होने वाले इस आयोजन में लगभग 12 हज़ार प्रतिभागी शामिल होंगे। आयोजन के दौरान 10 लाख रुपये तक के आकर्षक नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। हॉफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1 लाख, द्वितीय स्थान को 50 हज़ार और तृतीय स्थान को 25 हज़ार रुपये प्रदान किये जायेंगे। इसी प्रकार 10 किलोमीटर की दौड़ में 50 हज़ार, 25 हज़ार और 15 हज़ार रुपये के पुरस्कार दिए जाएंगे। 5 किलोमीटर दौड़ के लिए 20 हज़ार, 15 हज़ार और 10 हज़ार रुपये के नकद पुरस्कार निर्धारित हैं।

यह आयोजन भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय सेना के सुदर्शन चक्र कोर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सेना दिवस 15 जनवरी को मनाया जाता है, जो 1949 में जनरल केएम करियप्पा के भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की याद में मनाया जाता है। इस ऐतिहासिक अवसर पर ऑर्मी मैराथन का उद्देश्य सेना और आमजन के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देना और इसे भोपाल में वार्षिक खेल आयोजन के रूप में स्थापित करना है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से फिट इंडिया अभियान को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ यह आयोजन स्थानीय समुदायों, खेल प्रेमियों और सशस्त्र बलों के सदस्यों को एकजुट करने का प्रयास है। भोपाल में आर्मी मैराथन मुख्यालय पश्चिम एमपी सब एरिया के तत्वाधान में आयोजित होने वाला यह पहला खेल आयोजन है। इसका उद्देश्य आर्मी मैराथन को खेल जगत में प्रमुख आयोजन बनाना और फिट इंडिया अभियान के साथ वार्षिक मैराथन कैलेंडर में दर्ज करना है।

वन, वन्य-जीव संरक्षण और संवर्धन में अग्रणी है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध मध्यप्रदेश के वन और वन्य-जीव हमारी पहचान हैं। शासन इनके संरक्षण और संवर्धन के लिये संकल्पित है। राज्य सरकार द्वारा वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिये की गई ईमानदार एवं प्रभावी पहल का परिणाम है कि वन आवरण में स्थायित्व आने के साथ ही वन्य-प्राणियों के प्रबंधन की दिशा में अनेक नवाचार किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ''वन विभाग'' ग्रामीण अंचलों में विकास गतिविधियों का संचालन करने वाला एक प्रमुख संगठन है। विगत दो दशकों में वन प्रबंधन में काफी बदलाव आये हैं। वन संसाधनों पर जैविक दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के साथ वनोपज की आवश्यकता और उपलब्धता में अंतर बढ़ा है। वन क्षेत्रों में अवैध कटाई को कड़ाई से रोका जा रहा है। वनोपज की माँग और आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिये विभागीय रोपण के साथ निजी वनीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

एम्स भोपाल द्वारा बरखेड़ा पठानी में स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में आयुष विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), बरखेड़ा पठानी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य वंचित ग्रामीण आबादी तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना था। आयुष विभाग की ओर से मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुद्दा सोफिया उपस्थित थीं और उन्होंने सक्रिय रूप से इस आयोजन में भाग लिया। शिविर के दौरान पीएचसी में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक पहल के तहत आने वाले मरीजों को निःशुल्क आयुष परामर्श, योग परामर्श सत्र और आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं।

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने झाबुआ में किया मोटी आई शुभंकर को लांच

पदोन्नत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र व बैज पहना कर किया सम्मानित

भोपाल (नप्र)। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कुपोषण मुक्त झाबुआ के तहत बनी राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त 'मोटी आई' अभियान का के शुभंकर लांच किया। उन्होंने पदोन्नत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र एवं बैज पहना कर सम्मानित भी किया।

झाबुआ में जिला स्तरीय संवादकार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है जिसमें बड़ी संख्या मे लगभग 12670 से अधिक मिनी आंगनवाड़ियो का पूर्ण आंगनवाड़ी के रूप में उन्नयन किया गया है। झाबुआ जिले में 800 से अधिक आंगनवाड़ी इसी श्रेणी में आती है। पदोन्नत हुई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा कैबिनेट मंत्री को अभिनन्दन एवं आभार स्वरूप वृहद पुष्पमाला एवं पारम्परिक साफा, जिले की संस्कृति को परिलक्षित करते चाँदी के कड़े एवं तीर-कमान भेंट किये। साथ ही पदौन्नत हुई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपनी खुशी को व्यक्त करते हुए माँदल की थाप और 'मोटी आई आवी गी' पर कैबिनेट मंत्री के साथ खुब थिरकी।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि उदयपुर के चिन्तन शिविर मे मोटी आई कान्सेप्ट की बहुत सराहना एवं प्रशंसा हुई। कलेक्टर एवं पूरी टीम के संयुक्त प्रयासो से मोटी आई के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे है। इस नवाचार के सफल होने पर सम्पूर्ण प्रदेश में कुपोषण से लड़ाई की जंग लागू किये जाने के लिये प्रयास किए जायेंगे और भ्रांतियों को तोड़कर झाबुआ को शीर्ष स्थान पर ले जायेंगे।

आरएसएस महिलाओं को सदस्य क्यों नहीं बनाता

एनएसयूआई वर्कर्स से दिग्गी बोले-जिंदाबाद बोलकर संघ-बीजेपी से नहीं लड़ पाओगे, माइंड गेम खेलना होगा

भोपाल। पूर्व सीएम और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित ह्स्ढ्ढ की बैठक में शामिल हुए। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह ने संघ और भाजपा पर निशाना साधा। दिग्विजय सिंह ने बैठक में कहा- हमारी लड़ाई उन लोगों के साथ है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने आपको सांस्कृतिक बॉडी कहता है। आरएसएस नॉन रजिस्टर्ड संगठन है। आरएसएस की मेंबरशिप नहीं है और न ही उसका खाता है। लेकिन वह फिर भी खुद को देश का सबसे बड़ा संगठन मानता है और मोहन भागवत उसके प्रमुख हैं। एक बात तो ये है कि संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती और दूसरी बात ये है कि संघ भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान के प्रियंबल को नहीं मानते। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रियंबल पढ़ कर सुनाया। आपको यह आपके फोन में रखना चाहिए।

राजनीतिक जीवन कठिन, एक लाख में सौ-दो सौ ही सफल- दिग्विजय सिंह ने एनएसआई के कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सबको अगले 30 से 40 साल तक काम करना है। राजनीतिक जीवन बहुत कठोर होता है और अगर 1 लाख लोग प्रवेश करते हैं, तो उसमें से सिर्फ 100-200 ही सफल हो पाते हैं।

सनातन सब धर्मो का सम्मान करने वाला धर्म- दिग्विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं से पूछा कि आपको विचारधारा से जुड़ना है या कमाने के लिए जुड़ रहे हैं। विचारधारा से जुड़ रहे हो तो इसके लिए जीवन समर्पित करना है। यह विचारधारा भारत के हजारों वर्षो की संस्कृति और संस्कार है। इसे आज संघ द्वारा बिगाड़ा जा रहा है। हम उस देश के लोग हैं, जिसमें सबसे पुराना सनातन धर्म है। सनातन सब धर्मों का सम्मान करने वाला धर्म है।

दिग्विजय सिंह ने कहा- अगर आप सभी धर्म का अध्ययन करेंगे तो उनमें एक ही समानता है कि कैसे अच्छे नागरिक बनो, सच बोलो, प्रेम और सद्भाव से रहो और अहिंसा का रास्ता अपनाओ। नफरत से समाज की सृष्टि नहीं होती, नफरत से देश का विकास नहीं होता।उन्होंने कहा कि इंसानियत ही सब धर्मो का उद्देश्य है। अगर आप इस विचारधारा से जुड़ जाएंगे तो भारत के संविधान का पालन करेंगे।

भूपेन्द्र सिंह का पत्र-रेप केस में एफएसएल रिपोर्ट बदली गई

पूर्व मंत्री ने सीएम, डीजीपी को लिखा लेटर- विधायक हेमंत कटारे पर दर्ज केस की हो जांच

भोपाल। मप्र में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के मामले में पक्ष और विपक्ष में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। उप नेता प्रतिपक्ष और अटेर से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सौरभ शर्मा की नियुक्ति और पोस्टिंग के मामले में पूर्व परिवहन मंत्री भूपेन्द्र सिंह पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। कटारे के आरोपों पर भूपेन्द्र सिंह ने पलटवार करते हुए अब उनके ऊपर दर्ज रेप केस में एफएसएल रिपोर्ट बदले जाने के मामले की जांच कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री और डीपीजी को लिखे लेटर में पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने हेमंत कटारे पर दर्ज बलात्कार के प्रकरण में एफएसएल रिपोर्ट बदले जाने की जांच कराने की मांग की। पत्र में हेमंत कटारे के भाई के संरक्षण में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार की उच्च स्तरीय की भी मांग की है।

भूपेन्द्र सिंह का सवाल-एफएसएल रिपोर्ट निगेटिव की गई- भूपेन्द्र सिंह ने अटेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हेमंत कटारे और उनके भाई योगेश के आपराधिक मामलों में जांच के लिए लिखित शिकायत भेजी है। खुरई से बीजेपी विधायक भूपेन्द्र सिंह ने शिकायत में विधायक हेमंत कटारे के खिलाफ बलात्कार के प्रचलित प्रकरण में एफएसएल रिपोर्ट को पॉजिटिव से निगेटिव में बदले जाने की निष्पक्ष जांच करना जरूरी है।

पत्र में हेमंत कटारे के भाई योगेश कटारे द्वारा भोपाल में संचालित आईएसबीटी स्थित पेट्रोल पंप की आड़ में योगेश कटारे के संरक्षण में अफीम, गांजा, ब्राउन शुगर जैसे मादक पदार्थों का अवैध बिक्री करने के मामले की उच्च स्तरीय जांच का अनुरोध किया गया है।

पैसों के बल पर बदली गई रिपोर्ट- पत्र में कहा है कि हेमंत कटारे वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र अटेर से विधायक हैं। हेमंत कटारे के खिलाफ महिला पत्रकार के साथ बलात्कार किए जाने का आपराधिक प्रकरण दर्ज है। इस केस में आरोपी हेमंत कटारे की एफएसएल जांच हुई थी जिसकी रिपोर्ट धनबल के माध्यम से पॉजिटिव से निगेटिव कराई गई।

नयी दिशा की ओर ग्रामीण विकास

भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वामित्व योजना

अंतर्गत

15.63 लाख भू-अधिकार पत्रों का वितरण एवं लाभार्थियों के साथ संवाद

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

एवं

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

द्वारा

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

18 जनवरी, 2025 | दोपहर 12:30 बजे | सिवनी, मध्यप्रदेश

- स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में 25 सितम्बर 2018 के पूर्व से रहने वाले व्यक्तियों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करती है।
- योजना से ग्रामीण आबादी को बैंक ऋण प्राप्त करने एवं संपत्ति का विक्रय करने में मिल रही सहायता से ग्रामीण परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो रहा है।

- सभी जिलों का ड्रोन सर्वेक्षण कार्य एवं 12 जिले- भोपाल, हरदा, डिंडौरी, सीहोर, बुरहानपुर, खरगोन, कटनी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, जबलपुर एवं श्योपुर में भू-अधिकार पत्र वितरण का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- प्रदेश में अब तक 39.63 लाख भू-अधिकार पत्रों का वितरण किया जा चुका है।

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP D-11161/24